Website : www.kalamlok.com
वर्ष - 10 अंक - 135
बक्सर, बुधवार 16 सितम्बर 2026

<7|

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"बुद्धिमान बनने का तरीका यह है कि आज हम जितना जानते हैं, भविष्य में उससे अधिक जानने के लिए प्रयत्नशील रहें।

खबरें संक्षेप में

प्रधानमंत्री ने संवत्सरी और अभियंता दिवस की देशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवत्सरी के पावन अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि संवत्सरी हमें यह याद दिलाती है कि क्षमा और करुणा हर बंधन को मजबूत बनाती हैं। प्रधानमंत्री ने सभी से इस पवित्र अवसर पर विनम्रता अपनाने तथा दया और सद्भावना को अपने कार्यों का मार्गदर्शक बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने अभियंता दिवस के अवसर पर देश के सभी अभियंताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने निर्माण, नवाचार और बेहतर भविष्य के निर्माण में अभियंताओं के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने महान अभियंता और राष्ट्र निर्माता सर एम. विश्वेश्वरैया को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट, यात्रियों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद परेशान यात्रियों ने दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। यात्रियों ने बताया कि इन दोनों उड़ानों का समय बार-बार बदला गया, जिसके चलते ये अपने निर्धारित समय से 24 घंटे से भी ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद गुस्साए करीब 200 यात्रियों ने टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 5111 सोमवार सुबह 7:45 बजे दिल्ली से दुबई के लिए रवाना होने वाली थी। बार-बार इसका समय बदला गया। पहले इसका प्रस्थान सोमवार शाम को तय किया गया और बाद में मंगलवार सुबह 9 बजे।

अमृतसर में जनरेटर से गैस लीक होने से एक की मौत, 4 बीमार

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के महान सिंह गेट इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक मशहूर लॉटरी की दुकान के ऊपर लगे जनरेटर से कथित जहरीली गैस लीक होने से कई लोग प्रभावित हुए. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब कुछ लोग वहां बैठकर खाना खा रहे थे.

एएसआई शरणजीत सिंह ने बताया, जेनरेटर से अचानक गैस लीक होने से वहां मौजूद लोगों की हालत बिगड़ गई. गैस के संपर्क में आने से पांच लोग बेहोश हो गए. घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और बेहोश लोगों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई. मरने वाले की पहचान जुगिंदर सिंह के तौर पर हुई है, जिनकी उम्र करीब 55 साल थी. वह अमृतसर के एक गांव के इलाके खासा के रहने वाला था. घटना में प्रभावित दूसरे लोगों का अभी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है.

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार, दिया आखिरी मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की मुश्किलें बरकरार हैं। 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें जेल जाने से अस्थायी राहत दी है, लेकिन 2 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करने की शर्त भी रखी है। कोर्ट ने राजपाल को यह रकम चुकाने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते का समय दिया। साथ में स्पष्ट किया कि इस निर्देश का पालन करने का अभिनेता के पास आखिरी अवसर होगा। सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि राजपाल बॉलीवुड में ड्रामा और एक्टिंग करने में माहिर हैं और वही कोर्ट के सामने भी कर रहे हैं। उनका पुराना ट्रैक रिकॉर्ड देखते हुए उन पर भरोसा करना मुश्किल है।

इंफ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को मिली 3 हफ्तों की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने इंफ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। भारद्वाज को जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान 14 साल की सीजेपी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भारद्वाज ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिस पर कल सुनवाई हुई थी। आज कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी है। भारद्वाज के वकील ने कहा, दिल्ली पुलिस ने उन्हें राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया था और उन पर हमला शिकायतकर्ता ने ही किया था। इस हमले का एक वीडियो मौजूद है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने शिकायतकर्ता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

विष्णुपद से सोन-फल्गु तक बड़ा ऐलान!

2500 करोड़ के कॉरिडोर से 996 करोड़ की नदी जोड़ योजना तक, सम्राट कैबिनेट के 17 फैसलों ने चौंकाया

पटना (कलम लोक)।

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में एक साथ 17 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में धार्मिक पर्यटन, जल संसाधन, बाढ़ सुरक्षा, सिंचाई, सड़क और निर्माण कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इनमें गयाजी के प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के लिए 2500 करोड़ रुपये के विष्णुपद कॉरिडोर को मंजूरी और दक्षिण बिहार की सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के लिए 996 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रमुख है। बिहार सरकार ने गयाजी स्थित प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के विकास के लिए 2500 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। सरकार की योजना विष्णुपद कॉरिडोर को काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विकसित करने की है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

विष्णुपद मंदिर गयाजी का प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां श्रद्धालुओं का लगातार आना-जाना रहता है। सरकार की ओर से कॉरिडोर के लिए इतनी बड़ी राशि स्वीकृत किए जाने के बाद मंदिर क्षेत्र के विकास को लेकर महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। कैबिनेट ने दक्षिण बिहार से जुड़ी सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के निर्माण कार्य को भी हरी झंडी दे दी है। इस परियोजना के लिए 996 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। सोन और फल्गु नदी को जोड़ने वाली इस योजना को जल संसाधन के लिहाज से महत्वपूर्ण परियोजना के तौर पर देखा जा रहा है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसके निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया का रास्ता खुल गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 17 एजेंडों पर फैसला लिया गया। कैबिनेट के निर्णयों में बड़े विकास कार्यों के साथ जल संसाधन और बाढ़ से निपटने से जुड़े प्रस्ताव भी शामिल रहे। सरकार ने विकास परियोजनाओं के लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर भी जोर दिया है। इसी क्रम में नदियों और जलाशयों से निकलने वाली गाद के उपयोग को लेकर नई नीति को मंजूरी दी गई है।

बिहार कैबिनेट ने बिहार जल स्रोत पुनर्स्थापन एवं गाद प्रबंधन नीति 2026 को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत नदियों और जलाशयों से निकलने वाली गाद का उपयोग विभिन्न सरकारी निर्माण कार्यों में किया जा सकेगा। इसके तहत नेशनल हाईवे, रेलवे परियोजनाओं, राज्य सरकार के अधीन सड़कों, बाढ़ सुरक्षा कार्यों और भवन निर्माण सहित अन्य कार्यों में नदियों और जलाशयों की गाद का उपयोग किया जा सकेगा। नई नीति के जरिए गाद के प्रबंधन और उसके उपयोग को व्यवस्थित करने का प्रावधान किया गया है।

आकस्मिकता निधि से उपलब्ध कराई जाने वाली 1000 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग राज्य में आवश्यक जल संसाधन संबंधी कार्यों के लिए किया जाएगा। इसमें बाढ़ से सुरक्षा, सिंचाई और जल जीवन हरियाली अभियान से जुड़े कार्य शामिल हैं।

कैबिनेट के इन फैसलों से साफ है कि मंगलवार की बैठक में धार्मिक विकास के साथ-साथ जल संसाधन और बाढ़ सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता दी गई। विष्णुपद कॉरिडोर के लिए 2500 करोड़ रुपये और सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के लिए 996 करोड़ रुपये की मंजूरी बैठक के सबसे बड़े फैसलों में शामिल रही।

क्या-क्या हुआ मंजूर?

कैबिनेट बैठक में कुल 17 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें विष्णुपद कॉरिडोर के लिए 2500 करोड़ रुपये, सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के निर्माण के लिए 996 करोड़ रुपये और जल संसाधन विभाग को बिहार आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये अग्रिम देने का फैसला शामिल है। इसके अलावा बिहार जल स्रोत पुनर्स्थापन एवं गाद प्रबंधन नीति 2026 को भी स्वीकृति दी गई।

बाढ़ के बीच जल संसाधन विभाग को 1000 करोड़ रुपये की मदद

बिहार में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कैबिनेट ने जल संसाधन विभाग को बिहार आकस्मिकता निधि से 1000 करोड़ रुपये अग्रिम देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इस राशि का इस्तेमाल बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों सहित विभिन्न जरूरी कार्यों में किया जाएगा। सरकार के अनुसार, इस राशि से बाढ़ सुरक्षा कार्य, सिंचाई कार्य और जल जीवन हरियाली अभियान से जुड़े कार्य किए जाएंगे। बाढ़ की चुनौती के बीच जल संसाधन विभाग के लिए यह वित्तीय प्रावधान किया गया है।

राम मंदिर चंदे पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकार की तलाश में रेड मामला

पूर्व मेयर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली के पूर्व मेयर फरहाद सूरी की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने गाजियाबाद पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी. सूरी ने आरोप लगाया था कि 22 और 23 अगस्त की दरमियानी रात को गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों का एक बड़ा दस्ता बिना किसी वारंट के पत्रकार की तलाश में दिल्ली स्थित उनके घर में घुस गया था.

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की. अदालत में सूरी की ओर से अधिवक्ता अनूप प्रकाश अवस्थी पेश हुए. पीठ ने सूरी को सीधे शीर्ष अदालत आने के लिए संविधान के अनुच्छेद 32 का उपयोग करने के बजाय, स्नद्धक्र दर्ज कराने के लिए दिल्ली पुलिस से संपर्क करने का निर्देश दिया.

पीठ ने अपने आदेश में कहा, उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश से संबंधित राहत पर तब सही तरीके से विचार किया जा सकता है, जब

याचिकाकर्ता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175 (3) के तहत संबंधित अधिकार क्षेत्र वाले पुलिस स्टेशन से संपर्क करें. हमारे पास ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम इस बात पर संदेह करें कि सक्षम पुलिस कानून के अनुसार सख्ती से कार्रवाई नहीं करेगी.

पीठ ने सूरी की उस वैकल्पिक (दूसरी) याचिका पर भी विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें अंतर-राज्यीय पुलिस छापों को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी. सुनवाई के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने सूरी द्वारा दायर याचिका का पुरजोर विरोध किया और पुलिस तलाशी के अवैध होने के दावे से भी इनकार किया. राज्य के वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता बीएनएसएस के तहत उपलब्ध कानूनी उपायों का पहले उपयोग किए बिना, एफआईआर दर्ज कराने के लिए सीधे संविधान के अनुच्छेद 32 का सहारा लेकर शीर्ष अदालत में नहीं आ सकता.

यूपी के वकील ने दलील दी, हम एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे थे. इसकी बकायदा जीडी एंट्री थी. पुलिस अधिकारियों ने बस इस व्यक्ति के घर की घंटी बजाई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह व्यक्ति वहां है या नहीं. जब उन्होंने मना किया, तो हम बस वहां से चले गए. हम उनके घर के अंदर भी नहीं घुसे.

सूरी के वकील ने राज्य सरकार की दलीलों का पुरजोर विरोध किया. उन्होंने दावा किया कि उनके मुवक्किल के आवास पर लगभग 15 पुलिस गाड़ियां पहुंची थीं, जिनमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी सवार थे. सूरी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि गाजियाबाद पुलिस की एक बड़ी टीम ने आधी रात को दिल्ली स्थित उनके आवास पर छापा मारा था. पुलिस राम मंदिर चंदा चोरी पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकार अभिषेक उपाध्याय की तलाश कर रही थी. उपाध्याय, गाजियाबाद पुलिस द्वारा दर्ज एक कथित रोड-रेज मामले में प्राथमिकी का सामना कर रहा है.

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों में भयंकर युद्ध

इतिहास में पहली बार मक्का में हवाई हमले का अलर्ट

मक्का (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। पहले ईरान और अमेरिका अब सऊदी और यमन में घमासान छिड़ा हुआ है। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इसके बाद सऊदी अरब ने मक्का में पहली बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया।

सऊदी सिविल डिफेंस के अनुसार, नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म ने यह अलर्ट जारी किया। लोगों से ऊंची इमारतों से दूर रहने की अपील की गई। थोड़ी देर बाद सिविल डिफेंस ने बताया कि खतरा टल गया है। हालांकि, लोगों से भीड़ से दूर रहने और किसी भी घटना का वीडियो या फोटो न लेने की सलाह दी गई। मंगलवार सुबह जेद्दाह और ताइफ में भी इसी तरह के इमरजेंसी अलर्ट जारी किए गए थे, जिन्हें कुछ समय बाद वापस ले लिया गया।

चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र ने किया मंजूर

17 साल की बची नौकरी को कहा अलविदा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कैडर की तेजतर्रार और चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। अपनी सख्त कार्यशैली और प्रशासनिक फैसलों के लिए पहचानी जाने वाली 2013 बैच की आईएएस दिव्या मित्तल ने बीते 30 अगस्त को निजी कारणों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और जिंदगी के एक नए उद्देश्य का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। इस्तीफा मंजूर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए राष्ट्रकवि जयशंकर प्रसाद के मशहूर नाटक 'चंद्रगुप्त' की प्रेरक पंक्ति लिखी- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

इस्तीफा मंजूर होने की आधिकारिक सूचना मिलने से ठीक दो दिन पहले दिव्या मित्तल माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंची थीं। वहां से अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था, आगे की राह कठिन हैज्‍ सद्बुद्धि देना मां। इस पोस्ट के बाद से ही प्रशासनिक गलियारों में उनके भावी कदम को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। दिव्या मित्तल करीब 13 वर्षों तक सरकारी सेवा में रहीं।

फेसबुक-इंस्टा पर बच्चों के यौन शोषण कंटेंट पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटरनेट मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार के बढ़ते दबाव के बीच फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी अब बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल को देगी। यह पोर्टल गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइ4सी) संचालित करता है। मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा कंपनी की प्राथमिकता है और वह अपराध करने वालों को जवाबदेह ठहराने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। कंपनी के मुताबिक, बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की रिपोर्ट अब सीधे आइ4सी के साइबर अपराध पोर्टल पर की जाएगी।

अमेरिका स्थित मेटा अब तक बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री की रिपोर्ट मुख्य रूप से नेशनल सेंटर फार मिसिंग एंड एक्सप्लोइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमईसी) को करती थी। भारत में सीधे रिपोर्टिंग की व्यवस्था होने से कानून लागू करने वाली भारतीय एजेंसियों तक ऐसी जानकारी पहुंचने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत में काम करने वाले इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों के लिए बच्चों की आनलाइन सुरक्षा एक बुनियादी जिम्मेदारी है। सरकार उन प्लेटफार्मों के खिलाफ भी कार्रवाई पर विचार कर रही है, जो बच्चों को हानिकारक सामग्री और गतिविधियों से बचाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते।

मेटा सीधे सरकार को देगी रिपोर्ट

मेटा पर यह कदम ऐसे समय में आया है, जब इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री (सीएसईएएम) को लेकर सरकार और बाल अधिकार संस्थाओं की सख्ती बढ़ी है। जुलाई में आइटी मंत्रालय (इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) ने इंस्टाग्राम पर ऐसे कथित पेड विज्ञापनों को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और उन्हें हटाने के साथ विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा था।

इसके बाद मेटा के शीर्ष अधिकारियों के साथ सरकार की कई दौर की बातचीत हुई। सरकार ने स्पष्ट किया कि ऐसी सामग्री भारतीय कानूनों का उल्लंघन है और इसे 'सेफ हार्बर' के तहत संरक्षण नहीं दिया जा सकता। इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी कथित सीएसईएएम विज्ञापनों के मामले में मेटा इंडिया के अधिकारियों को तलब किया था। वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली पुलिस को यह जांचने का निर्देश दिया था कि क्या मेटा ने बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत अपनी अनिवार्य रिपोर्टिंग जिम्मेदारियां पूरी की हैं।

सरकार अब अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों के साथ भी बातचीत कर रही है, ताकि बच्चों से जुड़ी हानिकारक और गैरकानूनी सामग्री की पहचान कर उसे जल्द हटाया जा सके। आई4सी पहले ही इंटरनेट मीडिया कंपनियों से ऐसी सामग्री की रिपोर्टिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और उसे पहचानने तथा हटाने के लिए तकनीकी उपाय अपनाने को कह चुका है। मेटा की सीधे आइ4सी को रिपोर्टिंग की व्यवस्था को बच्चों की आनलाइन सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, सरकार का संकेत है कि प्लेटफार्मों से आगे भी अधिक सक्रिय निगरानी, तेज कार्रवाई और जवाबदेही की अपेक्षा की जाएगी।

दिल्ली के कई स्कूलों को मिली बम की धमकी, पुलिस और बम स्क्वॉड ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कई प्रमुख स्कूलों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले हैं. धमकी की सूचना मिलते ही संबंधित स्कूल प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी. इसके साथ ही एहतियात के तौर पर विद्यार्थियों तथा स्टाफ को परिसर से बाहर निकाला गया. वहीं, दिल्ली पुलिस ने कई स्कूलों को धमकी वाले ई-मेल मिलने की पुष्टि की है. फिलहाल पुलिस मामले में विस्तृत जानकारी जुटा रही है. शुरुआती जांच में अभी तक किसी स्कूल परिसर से संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक मिलने की पुष्टि नहीं हुई है.

जानकारी के अनुसार, द ब्रिटिश स्कूल, संस्कृति स्कूल और सरदार पटेल विद्यालय समेत कई स्कूलों को धमकी वाले ई-मेल मिले. इन स्कूलों की ओर से पुलिस को करीब सुबह 10:30 से 10:45 बजे के बीच सूचना दिए जाने की जानकारी सामने आई है. इसके बाद स्थानीय पुलिस के साथ बम डिटेक्शन एवं डिस्पोजल टीम, डॉग स्क्वॉड व दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों को संबंधित स्थानों पर भेजा गया. सुरक्षा एजेंसियों ने स्कूल परिसरों को खाली कराकर अलग-अलग हिस्सों में तलाशी अभियान शुरू किया.

धमकी की सूचना को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने स्कूलों में एंटी-सबोटाज जांच शुरू की. बम निरोधक दस्ते ने परिसर के संवेदनशील स्थानों की जांच की, जबकि प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड की मदद से भी संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की गई है. दिल्ली फायर सर्विस की टीमें भी मौके पर पहुंचीं. स्कूलों को खाली कराने का फैसला किसी विस्फोटक के मिलने के कारण नहीं, बल्कि एहतियाती सुरक्षा कदम के तौर पर लिया गया है. मौजूदा रिपोर्टों के अनुसार, तलाशी के दौरान अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की सूचना नहीं है. पुलिस ई-मेल के तकनीकी विवरण की जांच कर रही है.

इस घटनाक्रम को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि कुछ प्रभावित स्कूलों में परीक्षाएं चल रही थीं. सरदार पटेल विद्यालय की ओर से अभिभावकों को बताया गया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से परिसर से बाहर निकाल लिया गया है. साथ ही पुलिस को सूचना दे दी गई है. स्कूल में कुछ विद्यार्थियों की परीक्षा पूरी हो चुकी थी, जबकि वरिष्ठ कक्षाओं की परीक्षा का कुछ हिस्सा बाकी था. सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के बाद आगे की परीक्षा के संबंध में निर्णय लेने की बात कही गई है.

बिहार में यूसीसी पर बीजेपी के सहयोगी दलों के कड़े तेवर, रुख एक- प्रावधान देखकर स्टैंड लेंगे

पटना (संवाददाता)। अगले तीन साल यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड - UCC) लागू करने के ऐलान से बिहार की सरकार में शामिल भाजपा के सहयोगी दल बेचैन हो गए हैं। नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी - रामविलास, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने स्पष्ट कह दिया है कि जब यूसीसी के प्रावधान सामने आएंगे, तब पार्टी में चर्चा होगी और स्टैंड लिया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह के ऐलान के बाद जदयू महासचिव श्याम रजक ने सोमवार को बिहार में यूसीसी लागू नहीं होने की बात की थी। श्याम रजक ने याद दिलाया था कि यूसीसी बिल का समर्थन करने के समय भी नीतीश ने कहा था कि यह बिहार में लागू नहीं होगा।

जदयू के सीनियर नेता और डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को श्याम रजक के स्टैंड को और स्पष्ट करते हुए कहा कि जब यूसीसी के प्रावधान सार्वजनिक होंगे, तब पार्टी में इस पर चर्चा होगी। चौधरी ने कहा कि अगर कोई विवाद का मामला होगा तब जेडीयू गृहमंत्री अमित शाह से बात करेगी। चौधरी ने पटना में जेडीयू कार्यालय में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि यूसीसी के प्रावधान अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। प्रावधानों को देखने के बाद उस पर पार्टी विमर्श करेगी। मंगलवार की सुबह केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत कई नेता नीतीश कुमार से मिलने गए थे। माना जा रहा है कि इस दौरान अमित शाह के यूसीसी वाले ऐलान पर नेताओं के बीच चर्चा हुई।

श्याम रजक ने कल कहा था कि बिहार में भले ही भाजपा का मुख्यमंत्री है, लेकिन सरकार एनडीए की है, इसलिए निर्णय सामूहिक ही होगा। उन्होंने कहा था कि मिली-जुली सरकार में निर्णय अकेले का नहीं हो सकता। जदयू के प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा था कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा इस विषय पर अमित शाह से बात करेंगे। यूसीसी को लेकर यह बेचैनी सिर्फ जदयू में नहीं है। बिहार में भाजपा के दो और सहयोगी चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा ने भी यूसीसी को लेकर शाह के ऐलान के बाद कहा है कि प्रावधान सामने आने के बाद चर्चा और बात होगी।

लोजपा (रा) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा था कि उनकी पार्टी व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही अपना मत रखेगी। भारत का सामाजिक ताना-बाना विविधतापूर्ण है। हर वर्ग की अपनी नागरिक परंपराएं और रीति-रिवाज हैं। संविधान ने स्वयं इसे स्वीकार किया है। लोजपा नेता ने कहा था कि उनकी पार्टी समानता और विविधता- दोनों के लिए प्रतिबद्ध है। पासवान ने यूसीसी के प्रारूप सार्वजनिक होने के बाद सभी पक्षों के हितों का अवलोकन करने और विचार-विमर्श के बाद पार्टी का स्टैंड साफ करने की बात कही है। रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी सधी प्रतिक्रिया में कहा कि सरकार का प्रस्ताव सामने आने के बाद ही पार्टी अपना पक्ष रखेगी। कुशवाहा ने कहा कि केंद्र का क्या प्रस्ताव आता है, उसे देखने के बाद पार्टी विचार-विमर्श करेगी, फिर पक्ष रखेगी। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी की पार्टी हम ने अमित शाह के ऐलान का स्वागत किया है, लेकिन साथ में कोटे में कोटा के विषय पर गंभीरता से पहले करने का आग्रह भी गृह मंत्री से कर दिया है। पार्टी के अध्यक्ष और सम्राट चौधरी सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने अमित शाह के संकल्प का स्वागत करते हुए यूसीसी को पूर्ण समर्थन दिया है। संतोष सुमन ने शाह से अनुसूचित जाति आरक्षण में कोटे में कोटा और वर्गीकरण के विषय पर भी गंभीरता से पहल का आग्रह किया है। संतोष सुमन ने कहा कि जिस तरह हरियाणा में भाजपा सरकार ने इस दिशा में कदम उठाया है, उसी प्रकार जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां भी कोटे में कोटा लागू करने की पहल हो।

जेडीयू सांसद अजय मंडल पर भड़के भाजपा मंत्री शैलेंद्र, कहा- चेत जाइए, नहीं तो बहुत बुरा होगा

भागलपुर (संवाददाता)।

बिहार सरकार में भारतीय जनता पार्टी कोटे से मंत्री कुमार शैलेंद्र ने सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के सांसद अजय मंडल को चेतावनी दे दी है। मंत्री ने सांसद से कहा कि चेत जाइए, नहीं तो आने वाला समय बहुत बुरा होगा। अजय मंडल भागलपुर से जदयू के दो बार के सांसद हैं। वहीं, कुमार शैलेंद्र बिहार सरकार में अभी पथ निर्माण मंत्री हैं और भागलपुर जिले के बिहपुर से भाजपा के विधायक हैं।

मंत्री कुमार शैलेंद्र ने नवगछिया के खरीक स्थित काजीकोरैया में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान लोगों से बात करते हुए उन्होंने जदयू सांसद अजय मंडल को आड़े हाथों ले लिया। इसका वीडियो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिससे राजनीति गर्मा गई।

शैलेंद्र ने कहा कि सांसद अजय मंडल एनडीए के हैं और वह विक्रमशिला सेतु के बेली ब्रिज के निर्माण में घोटाला की बात कह रहे हैं। मंत्री ने सांसद को नसीहत दी कि उन्हें ऐसी बातें सार्वजनिक मंचों पर नहीं, बल्कि सरकार से जाकर करनी चाहिए।

कुमार शैलेंद्र ने आगे कहा, 'लोकसभा चुनाव में बिहपुर विधानसभा की जनता ने भी उन्हें (अजय मंडल को) वोट देकर जिताया था। अभी बाढ़ आई हुई है, लेकिन सांसद यहां कितनी बार आए? सांसद अजय मंडल चेत जाइए, नहीं तो आने वाला समय बहुत बुरा होगा। दो साल बाद ही लोकसभा चुनाव आने वाला है।' शैलेंद्र के इस बयान से राजनीतिक पारा गर्मा गया है। इसने भागलपुर जिले में एनडीए के दो बड़े नेताओं के बीच दरार की चर्चाओं को हवा दे दी है। फिलहाल, जदयू सांसद अजय मंडल ने मंत्री के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

शैलेंद्र ने अपर्णा से भी किए सवाल

मंच से भाषण देते हुए मंत्री कुमार शैलेंद्र ने बिहपुर विधानसभा सीट से मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुकीं अपर्णा कुमारी मंडल पर भी निशाना साधा। उन्होंने अपर्णा का नाम लिए बिना कहा, 'विधानसभा चुनाव में 61 हजार वोट लाने वाली कहां गईं। जो कभी क्षेत्र में घुमा नहीं, उन्हें इतना वोट कैसे आ गया।' मंत्री ने लोगों से जात-पात की राजनीति से बचने की भी सलाह दी। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बिहपुर सीट से भाजपा के कुमार शैलेंद्र ने वीआईपी प्रत्याशी अपर्णा को लगभग 30 हजार वोटों के अंतर से हराया था। कुमार शैलेंद्र को 91458 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रहीं अपर्णा मंडल को 61433 वोट मिले।

डेहरी में जलजमाव से फूटा लोगों का गुस्सा, सड़क पर उतरे वार्ड 24 के लोग

डेहरी (संवाददाता)। रोहतास जिले के डेहरी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 24 में जलजमाव की समस्या से नाराज लोगों का गुस्सा मंगलवार को सड़क पर फूट पड़ा। इलाके में जलजमाव और नाली का गंदा पानी घरों में प्रवेश करने से परेशान लोगों ने मुख्य पथ को जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कई आरोप लगाए।

स्थानीय लोगों के अनुसार वार्ड 24 में जलजमाव की समस्या के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालियों का गंदा पानी घरों में प्रवेश करने से स्थिति और खराब हो गई। जलजमाव से परेशान लोगों ने अपनी नाराजगी जताते हुए मुख्य सड़क पर पहुंचकर आवागमन बाधित कर दिया।

भोजपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या समेत कई मामलों का आरोपी चुल्लू पांडे गिरफ्तार

भोजपुर (संवाददाता)। भोजपुर जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सहार थाना पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपित चुल्लू पांडे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और वह विभिन्न आपराधिक मामलों में अभियुक्त रहा है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे संबंधित मामलों की जानकारी जुटाने और आगे की कानूनी कार्रवाई में लगी है।

सहार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपित चुल्लू पांडे को गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार चुल्लू पांडे हत्या के मामले में आरोपित है और उसके खिलाफ अन्य मामले भी दर्ज हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर उससे संबंधित मामलों और उसकी आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार चुल्लू पांडे पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के बेंदौल गांव का निवासी है। सहार थाना पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कई मामलों में अभियुक्त है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों की जानकारी और उनकी वर्तमान स्थिति की भी पड़ताल कर रही है। इससे पुलिस को आरोपी से जुड़े मामलों की पूरी जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी डीएसपी की ओर से दी गई है। पुलिस के अनुसार चुल्लू पांडे के खिलाफ कई मामलों में अभियुक्त होने की जानकारी सामने आई है। सहार थाना पुलिस की इस कार्रवाई के बाद संबंधित मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद यह भी देखा जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अन्य थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों का कोई संबंध है या नहीं।

लसाढ़ी की धरती पर शहीदों को नमन

राजकीय सम्मान समारोह में उमड़ा श्रद्धा का भाव

भोजपुर (संवाददाता)। भोजपुर जिले के अगिआंव प्रखंड के लसाढ़ी गांव के पास मंगलवार को स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में राजकीय शहीद सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रभारी मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, सांसद सुदामा प्रसाद और जिलाधिकारी मनेश मीणा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

लसाढ़ी गांव के पास आयोजित इस कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को याद किया गया। राजकीय स्तर पर आयोजित समारोह में शहीदों के योगदान और उनके बलिदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति को सम्मान देना और उनके योगदान को याद करना रहा।

शिव मंदिर परिसर में थूका और पेशाब किया

3 लड़कों की हरकत कैमरे में कैद; तनाव के बाद पुलिस तैनात

बिहारशरीफ (संवाददाता)।

बिहार के एक शिव मंदिर में नफरत वाली साजिश कैमरे में कैद हुई है। मंदिर परिसर में तीन लड़कों ने ऐसी घिनौनी करतूत की है जिसके बाद यहां तनाव बढ़ गया है।

घटना बिहारशरीफ की है। यहां बिहार थाना क्षेत्र के शेरपुर-थवई मोहल्ले में तीन नाबालिग लड़कों ने शिव मंदिर में पथराव किया। मंदिर परिसर में थूकने और पेशाब करने का वीडियो भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। इस घटना के बाद तनाव का माहौल है। एहतियातन पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। इधर रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मंदिर पहुंचकर जायजा लिया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम में स्थानीय युवक सूरज पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचा था। यहां आने के बाद उन्होंने देखा कि मंदिर के पास ईंट-पत्थर बिखरे थे। हालांकि, उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और गंदगी को धोकर साफ कर दिया। बाद में उन्होंने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज देखा। इस फुटेज में दिख रहा था कि शनिवार की दोपहर पौने तीन बजे नौ-दस साल के तीन लड़के वहां पहुंचे। इन लड़कों ने मंदिर में लगे ग्रिल के बाहर से पत्थर मारे।

इतना ही नहीं इस फुटेज में यह भी दिखा कि उन्होंने मंदिर परिसर में पेशाब भी किया। ऑडियो रिकॉर्डिंग करने वाले कैमरों में लड़कों की गालियां भी रिकॉर्ड हो गई है। इधर इसके बाद पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि 4-5 साल के लड़कों ने हनुमानजी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। तीनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। इस मामले में लिखित आवेदन मिला है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों ने किसी के बहकावे में ऐसी हरकत की है। उनकी पहचान कर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

बिहटा-सरमेरा और उदाकिशुनगंज-भटगामा हाईवे पर सबसे पहले शुरू होगी टोल टैक्स की वसूली

पटना (संवाददाता)।

बिहार में स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स की वसूली की शुरुआत दो प्रमुख रोड से होने वाली है। इनमें बिहटा (पटना) से सरमेरा (नालंदा) के बीच स्टेट हाईवे नंबर 78 और उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) से भटगामा के बीच एसएच 58 पर टोल नाके लगाए जाएंगे। इसके लिए बिहार सरकार ने टेंडर जारी कर दिया है। सबसे पहले इन्हीं दोनों स्टेट हाईवे से टोल वसूलने की तैयारी की जा रही है। हाईवे पर चलने वाले सिर्फ व्यावसायिक वाहनों से टोल लिया जाएगा, निजी वाहनों से किसी तरह की राशि नहीं वसूली जाएगी।

इन दोनों स्टेट हाईवे पर टोल प्लाजा बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पथ निर्माण विभाग ने फैसला लिया है कि राज्य के लगभग भी स्टेट हाईवे और राज्य सरकार के अधीन पुलों पर चरणवार तरीके से टोल टैक्स वसूली की व्यवस्था लागू की जाएगी। सभी हाईवे और पुलों पर एक साथ टोल नाके नहीं लगाए जाएंगे। बल्कि, धीरे-धीरे करके यह व्यवस्था लागू की जाएगी। बिहार राज्य पथ विकास निगम की ओर से स्टेट हाईवे और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम की ओर से पुलों पर टोल टैक्स वसूले जाने की कार्रवाई चल रही है। पुल निगम के द्वारा प्राथमिकता के तौर पर आरा-छपरा ब्रिज समेत अन्य कुछ बड़े पुलों पर सबसे पहले टोल लिए जाने की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। बताया जा रहा है कि इन पुलों पर भी टोल वसूलने को लेकर एजेंसी के चयन के लिए जल्द ही टेंडर निकाला जाएगा। आरा-छपरा पुल के लिए पूर्व में भी निविदा जारी की गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से उसे वापस ले लिया गया था। अब नए सिरे से टेंडर निकाला जाएगा। पदाधिकारी बताते हैं कि अगले दो से तीन महीने के भीतर कुछ स्टेट हाईवे पर टोल वसूली का काम शुरू हो जाएगा। विदित हो कि बिहार के 55 स्टेट हाईवे और 47 पुलों पर टोल वसूले जाने की राज्य कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है।

थाने में युवक की मौत, पत्नी बोली- पीट पीट कर मार डाला; पुलिस दे रही सफाई

पटना (संवाददाता)।

बिहार की राजधानी पटना से सटे पालीगंज अनुमंडल के सिगोड़ी थाना के हिरासत में एक मजदूर की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तड़के मजदूर ने फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं, परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से मौत हुई है। इस बीच, घटना की सूचना पर एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा, सिटी एसपी (पश्चिमी) साकेत कुमार थाने पहुंचे।पुलिस ने बताया कि गयाजी के महकार क्षेत्र के कुडवा निवासी लालमोहन मांझी का बेटा अजय मांझी का बऊआ स्थित ईंट भट्ठा मालिक श्याम कुमार से पैसे का विवाद चल रहा था। सिटी एसपी (पश्चिमी) संकेत कुमार ने बताया कि भट्ठा मालिक ने उसके विरुद्ध आवेदन दिया था।

शनिवार को पूछताछ के लिए रंजन कुमार, विष्णु दयाल और अजय मांझी को थाने लाया गया। रात होने के कारण तीनों युवकों को थाना परिसर में ही एक कमरे में रखा गया था। अजय मांझी ने एक चौकीदार का गमछा लेकर पंखे से लटकाकर फांसी लगा ली। सुबह चार बजे चौकीदार ने थानाध्यक्ष को सूचना दी कि आरोपी अजय मांझी पंखे से लटका हुआ है। सिपाहियों ने उसे पंखे से उतारा और इलाज के लिए एम्स पटना ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद थानाध्यक्ष तनेस पायल ने इसकी सूचना एसएसपी को दी। थानाध्यक्ष तनेस पायल का कहना है कि मृतक की पत्नी ने आवेदन दिया है। इसमें ईंट भट्ठा मालिक पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कहा गया है कि ईंट भट्ठा मालिक का दो लाख अजय मांझी पर बकाया था। इसी को लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। सिटी एसपी ने बताया कि घटनास्थल की जांच एफएसएल टीम कर रही है। पूरे घटना की जांच कराई जा रही है।

मृतक की पत्नी काजल देवी ने बताया कि ईंट भट्ठा मालिक के साथ मिलकर पुलिस ने मेरे पति को मार डाला है। रविवार की सुबह चार बजे सिगोडी थाना से फोन आया कि आपके पति की तबियत काफी खराब है। आपलोग पटना आइए। जब हमलोग पटना एम्स पहुंचे तो देखा कि जमीन पर पति का शव पड़ा हुआ है। उसने बताया कि वह ईंट भटठा पर मजदूरी का काम करता था। ईंट भटठा मालिक का कुछ पैसा बकाया था इसके लिए वह दबाव बना रहा था। कई बार मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया। मृतक की मां नागो देवी ने बताया कि शनिवार को ईंट भट्ठा मालिक उसे घर पर बुलाया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस और ईंट भटठा मालिक ने अजय को इतना प्रताड़ित किया कि उसने मजबूरन फांसी लगा ली।

बिहार में अभी नहीं टला बाढ़ का खतरा, गंगा खतरे के निशान के पार; पुनपुन-बागमती में भी उफान

पटना (संवाददाता)।

बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर सुबह तक खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, हालांकि गंगा के अधिकांश घाटों और जलमापक केंद्रों पर पानी में कमी दर्ज की गयी है, जबकि पुनपुन और बागमती में बढ़त ने निचले इलाकों की चिंता बढ़ा दी है। जाहिर है ऐसे में अभी बिहार में बाढ़ का खतरा टला नहीं है। जल संसाधन विभाग के आज सुबह छह बजे के जारी आंकड़ों के अनुसार गंगा पटना के दीघा में 50.81 मीटर, गांधी घाट पर 49.61 मीटर, हथिदह में 42.82 मीटर, मुंगेर में 39.38 मीटर, भागलपुर में 34.18 मीटर और कहलगांव में 32.49 मीटर पर बह रही है और इन सभी स्थानों पर जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

एहतियात की बात है कि गंगा के जलस्तर में कमी का रुख इन प्रमुख केंद्रों पर बना हुआ है। पटना के दीघा में नदी खतरे के निशान 50.45 मीटर से 0.36 मीटर ऊपर है, जबकि गांधी घाट पर 48.60 मीटर के खतरे के निशान से 1.01 मीटर, हथिदह में 41.76 मीटर से 1.06 मीटर, मुंगेर में 39.33 मीटर से 0.05 मीटर, भागलपुर में 33.68 मीटर से 0.50 मीटर और कहलगांव में 31.09 मीटर से 1.40 मीटर ऊपर है।

फरक्का में भी गंगा 23.80 मीटर पर खतरे के निशान 22.25 मीटर से 1.55 मीटर ऊपर है। पटना शहर और आसपास के घाटों की स्थिति भी अभी सामान्य नहीं हुई है। बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायता केंद्र के छह बजे के आंकड़ों में गांधीघाट पर गंगा 49.61 मीटर, दीघाघाट पर 50.81 मीटर, बांकाघाट पर 48.59 मीटर और पंडारक में 43.08 मीटर दर्ज की गयी। इनमें गांधीघाट, दीघाघाट और बांकाघाट समेत कई केंद्रों पर पानी खतरे के निशान से ऊपर है। हथिदह में जलस्तर 42.82 मीटर, मुंगेर में 39.38 मीटर, सुल्तानगंज में 36.21 मीटर, भागलपुर में 34.18 मीटर, कहलगांव में 32.49 मीटर और साहेबगंज में 28.63 मीटर दर्ज किया गया।

गंगा के बक्सर केंद्र पर जलस्तर 59.42 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 60.32 मीटर से 0.90 मीटर नीचे है, हालांकि यह चेतावनी स्तर से ऊपर है। वाराणसी में जलस्तर 68.47 मीटर और प्रयागराज में 80.01 मीटर दर्ज किया गया, जहां जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। विभागीय आंकड़ों में गंगा के इन दोनों ऊपरी केंद्रों पर पानी घटने का रुख है जो आने वाले दिनों के लिए बेहतर संकेत है।

उधर, अन्य नदियों में स्थिति मिश्रित बनी हुई है। कोसी बलतारा में 35.01 मीटर और कुरसेला में 31.32 मीटर पर है तथा दोनों स्थानों पर नदी खतरे के निशान से क्रमशः 1.16 और 1.32 मीटर ऊपर है। बूढ़ी गंडक खगड़िया में 37.96 मीटर पर खतरे के निशान से 1.38 मीटर ऊपर है। घाघरा दरौली में 61.30 मीटर पर है, जो खतरे के निशान से 0.48 मीटर ऊपर है।

पुनपुन और बागमती की स्थिति विशेष रूप से निगरानी वाली बनी हुई है। पुनपुन श्रीपालपुर में 51.94 मीटर पर बह रही है और खतरे के निशान 50.60 मीटर से 1.34 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर बढ़ने का रुख दर्ज किया गया है। बागमती बेनीबाद में 49.20 मीटर पर है, जो खतरे के निशान 48.68 मीटर से 0.52 मीटर ऊपर है और इसमें भी बढ़त दर्ज की गयी है। इसके विपरीत कोसी, बूढ़ी गंडक और गंगा के अधिकांश केंद्रों पर जलस्तर घट रहा है। बराजों से पानी छोड़े जाने की स्थिति भी महत्वपूर्ण है।

कोसी नदी के वीरपुर बराज से सुबह आठ बजे 1,55,710 क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम छोड़ा जा रहा था और इसमें बढ़ोतरी का रुख दर्ज किया गया। गंडक नदी के वाल्मीकिनगर बराज से 86,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था और प्रवाह स्थिर रहा। सोन नदी के इंद्रपुरी बराज से 52,097 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसमें कमी का रुख दर्ज किया गया।

राजद से जेडीयू को सरकार बनाने का न्योता, वीरेंद्र बोले भाजपा का गठबंधन छोड़ साथ आएं समाजवादी

पटना (संवाददाता)।

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड को लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से गठबंधन सरकार बनाने का न्योता मिला है। राजद के वरीय नेता एवं विधायक भाई वीरेंद्र ने जदयू से भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़ने को कहा है।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर नीतीश पहले ही स्टैंड ले चुके हैं। जदयू और राजद समाजवादी दल हैं, इनकी राजनीति एक ही है। इसलिए भाजपा का साथ छोड़कर जदयू को राजद के साथ आना चाहिए और बिहार में नई सरकार बनानी चाहिए।

भाई वीरेंद्र ने मंगलवार को जारी बयान में आरोप लगाया कि एनडीए सरकार 'नागपुर' से चल रही है। उन्होंने कहा, 'यह बिहार है। यहां नागपुर का नहीं चलेगा। बिहार में यूसीसी लागू नहीं करने देंगे। नीतीश कुमार भी स्टैंड ले चुके हैं। उनसे कहेंगे कि वैसे लोगों (भाजपा) को छोड़िए, इधर आइए और हम मिलकर सरकार बनाएं।

भाजपा को लात मारकर आएं। यूसीसी का विरोध करते हुए राजद विधायक ने कहा कि यूसीसी को बिल्कुल भी लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि भारत धर्म निरपेक्ष देश है। सभी धर्मों को मानने का अधिकार मिला हुआ है। संविधान में भी इसका उल्लेख है। जदयू और राजद के बीच पहले भी दो बार गठबंधन हो चुका है। पहली बार 2015 से 2017 के बीच राजद, जदयू और कांग्रेस के महागठबंधन वाली सरकार रही थी। इसके बाद, फिर से अगस्त 2022 से जनवरी 2024 के बीच दोनों दलों के गठबंधन की सरकार बिहार में रही। महागठबंधन सरकार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे और राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम रहे थे। इसके बाद जदयू ने महागठबंधन का साथ छोड़ एनडीए में वापसी कर ली थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूसीसी कानून लागू करने के ऐलान के बाद एनडीए में घमासान तेज है। नीतीश की पार्टी ने फिलहाल इस पर खुलकर समर्थन नहीं दिया है और ना ही विरोध किया है। जदयू के पूर्व मंत्री एवं विधायक श्याम रजक ने एक दिन पहले बिहार में इस कानून को लागू नहीं करने की बात कह दी थी। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने कहा कि यूसीसी का ड्राफ्ट में प्रावधानों को देखने के बाद ही जदयू इस पर विचार-विमर्श करेगी।

समाजवाद का हवाला

भाई वीरेंद्र ने दावा किया कि जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के साथ कुछ ऐसे लोग लगे हैं, जिन्होंने उन्हें बर्बाद कर दी दिया और आगे और बर्बाद कर देंगे। उन्होंने नीतीश से कहा, 'हम सामाजिक न्याय के लोग हैं, जिस राजनीति में आप हैं, उसमें हम भी हैं। आप हमारे साथ आइए और भाजपा को लात मारिए।'

जदयू ने ठुकराया राजद का ऑफर

जदयू ने राजद का ऑफर ठुकरा दिया है। बिहार के डिप्टी सीएम और जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने राजद विधायक भाई वीरेंद्र के प्रस्ताव पर पलटवार भी किया है। उन्होंने कहा कि हम लोग राजद के सुझावों पर नहीं चलते हैं। राजद क्या चाहती है, उससे हमें कोई मतलब नहीं है। डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि जदयू को सिर्फ हमारी सोच और हमारे गठबंधन के दलों की सोच से मतलब है।

यूसीसी के प्रावधानों के देखने के बाद जेडीयू करेगी विचार, विजय चौधरी बोले- विवाद हुआ तो..

पटना (संवाददाता)। भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी यानी समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को लेकर हाल ही में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि यूसीसी को बीजेपी शासित राज्यों में लागू किया जाएगा। लेकिन इसके बाद बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) के विधायक श्याम रजक ने कह दिया था कि राज्य में यूसीसी को किसी भी कीमत पर लागू नहीं किया जाएगा। जदयू की तरफ से अब पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने यूसीसी को लेकर पार्टी का पक्ष रखा है।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल के प्रावधान अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। उसके प्रावधानों को देखने के बाद उसपर पार्टी विमर्श करेगी। अगर कोई विवाद का मामला होगा, तब पार्टी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करेगी। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में ये बातें कही। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2029 से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किए जाने के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सोमवार को कहा था कि वह इस मुद्दे पर जल्द ही शाह से मुलाकात करेंगे और फिर उनकी पार्टी अपना रुख तय करेगी। अमित शाह ने रविवार को कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की 21 राज्यों की सरकारें 2029 से पहले समान नागरिक संहिता लागू करेंगी। संजय झा ने इस विषय पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा था कि वह जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात करेंगे और उसके बाद पार्टी यूसीसी के मुद्दे पर अपना रुख तय करेगी।

इस बीच, बिहार में सत्तारूढ़ राजग के प्रमुख घटक जदयू के वरिष्ठ नेता और विधायक श्याम रजक ने कहा कि पार्टी ने संसद में यूसीसी से जुड़े विधेयक का समर्थन किया था, लेकिन बिहार में इसे लागू करने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा था कि पार्टी के सर्वोच्च नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस मुद्दे पर अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। श्याम रजक ने कहा था कि इस मुद्दे पर हमारे नेता ने बहुत पहले ही पार्टी का रुख स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारी पार्टी संसद में यूसीसी विधेयक का समर्थन कर रही है, लेकिन बिहार में इसे लागू किए जाने के पक्ष में नहीं है। वैसे, जद(यू) अब तक सैद्धांतिक रूप से यूसीसी के खिलाफ रही है। पार्टी के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार ने बिहार का मुख्यमंत्री रहते हुए जनवरी, 2017 में विधि आयोग को पत्र लिख कर कहा था कि विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच आम सहमति के अभाव और स्पष्ट रूपरेखा न होने के कारण समान नागरिक संहिता को जल्दबाजी में लागू नहीं किया जाना चाहिए।

निर्माणाधीन रोपवे का डीएम ने किया निरीक्षण

रोहतास (संवाददाता)। रोहतास जिले में पर्यटन विकास को गति देने की दिशा में प्रशासनिक स्तर पर पहल तेज हो गई है। मंगलवार को जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन रोपवे का निरीक्षण किया और परियोजना से जुड़े निर्माण कार्यों तथा संचालन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान रोपवे की मौजूदा स्थिति को देखा गया और इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली गई।

जिलाधिकारी ने मंगलवार को निर्माणाधीन रोपवे स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रोपवे के निर्माण कार्य की प्रगति और परियोजना से जुड़ी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। रोपवे के निर्माण से संबंधित कार्यों की स्थिति को समझने के साथ-साथ इसके संचालन से जुड़े पहलुओं पर भी जानकारी प्राप्त की गई। प्रशासन की ओर से रोपवे परियोजना को क्षेत्र के विकास और पर्यटन की संभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल किए जाने की बात कही गई है।

35 रुपये किलो के भाव से मिलेंगे सस्ते प्याज, पटना में इन जगहों पर लगेंगी गाड़ियां

पटना (संवाददाता)। प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। इस बीच, बिहार की राजधानी पटना के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। पटना के लोग महज 35 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से प्याज खरीद सकेंगे। शहर के अलग-अलग स्थानों पर सस्ता प्याज की गाड़ियां लगाई जा रही हैं। नेशनल कोऑपरेटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) ने प्याज की महंगाई को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि, ग्राहक तय सीमा के अंदर ही प्याज खरीद सकेंगे।

एनसीसीएफ के प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि बुधवार को राजधानी के आधा दर्जन स्थानों पर प्याज वाहन लगाए जाएंगे। इन गाड़ियों से आम लोगों को 35 रुपये किलो की दर से प्याज उपलब्ध कराया जाएगा। मंगलवार को भी कुछ जगहों पर इसी दर पर प्याज बेचा गया। दूसरी ओर, खुदरा बाजार और सब्जी मंडी में 50 से 55 रुपये प्रति किलो की दर पर प्याज बेचा जा रहा है। इससे आम लोगों खासकर गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ गया है।

एनसीसीएफ के विक्रय प्रतिनिधि ऋषभ सर्वहारा ने बताया कि पटना शहर के प्रमुख स्थानों पर सस्ते प्याज बेचने वालीं गाड़ियां लगाई जाएंगी। पहली गाड़ी गांधी मैदान के पास लगाई जाएगी। दूसरी गाड़ी, राजेंद्र नगर स्थित सब्जी मंडी के पास लगेगी। बोरिंग केनाल रोड चौराहा पर भी सस्ते प्याज की वाहन से बिक्री की जाएगी। इसके अलावा, एक गाड़ी मीठापुर में लगाई जाएगी।

एनसीसीएफ पटना के बाद अन्य शहरों में भी सस्ती दर पर प्याज की बिक्री शुरू करने पर विचार कर रहा है। भोजपुर में भी गाड़ियों से सस्ता प्याज ग्राहकों को उपलब्ध कराया जा सकता है। एनसीसीएफ के अधिकारी के अनुसार प्याज की उपलब्धता के आधार पर दूसरे जिलों में बिक्री की जाएगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बिहार समेत कई राज्यों में प्याज और हरी सब्जियों के दाम अचानक बढ़ गए हैं। इससे रसोई का बजट बिगड़ रहा है। पटना में प्याज का भाव 50 रुपये से प्रति किलो से ऊपर चला गया है।

गरीबों के भोजन का प्रमुख हिस्सा रहने वाले प्याज के महंगे होने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार चिंतित हैं। एनसीसीएफ की ओर से 35 रुपये किलो के भाव से प्याज की बिक्री से पटना के लोगों को महंगाई के बीच फौरी राहत मिल सकती है।

हर ग्राहक को 2 किलो प्याज ही मिलेंगे

एनसीसीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, सीमित स्टॉक होने और अव्यवस्था से बचने के लिए प्रति ग्राहक प्याज खरीद की लिमिट तय की गई है। एनसीसीएफ की गाड़ियों से एक ग्राहक अधिकतम 2 किलो प्याज ही ले सकेगा।

गोपालगंज में इलाज के दौरान 22 वर्षीय महिला की मौत से मचा हड़कंप, निजी क्लिनिक पर लापरवाही का आरोप

गोपालगंज (संवाददाता)। बिहार के गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर में मंगलवार को एक निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान 22 वर्षीय महिला की मौत के बाद हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान प्रियंका देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि प्रियंका देवी पेट दर्द की शिकायत को लेकर निजी क्लिनिक में इलाज कराने पहुंची थीं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए क्लिनिक में हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, प्रियंका देवी को पेट दर्द की शिकायत थी। इसी समस्या के इलाज के लिए उन्हें बैकुंठपुर स्थित एक निजी क्लिनिक में ले जाया गया था। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान चिकित्सकीय स्तर पर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण प्रियंका देवी की जान चली गई। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह क्या थी और इलाज के दौरान किस स्तर पर लापरवाही हुई, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

घटना के बाद संबंधित निजी क्लिनिक के संचालक के फरार होने की बात सामने आई है। महिला की मौत के बाद क्लिनिक परिसर में तनाव की स्थिति बनी। परिजनों के आरोपों के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नियोजन मेले में 25 कंपनियां पहुंचीं, युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

बिहारशरीफ (संवाददाता)। नालंदा जिले के बिहारशरीफ में मंगलवार को आयोजित नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेले में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं की बड़ी भीड़ उमड़ी। मेले में निजी क्षेत्र की 25 कंपनियों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कार्यक्रम के दौरान चयनित युवाओं को मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेंद्र कुमार ने नियुक्ति पत्र सौंपे।

नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेले में निजी क्षेत्र की कुल 25 कंपनियों ने हिस्सा लिया। कंपनियों की ओर से लगाए गए स्टॉल पर युवाओं को विभिन्न रोजगार अवसरों की जानकारी दी गई। रोजगार की तलाश में पहुंचे युवाओं ने कंपनियों के प्रतिनिधियों से नौकरी और चयन प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

बोरिंग, सबमर्सिबल पंपों के लिए लेना होगा परमिशन, भूमिगत जल के दोहन पर रोक के लिए बनेगा प्राधिकरण

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार में भूमिगत जल के अंधाधुंध दोहन पर लगाम लगाने और इसके उपयोग पर नियंत्रण के लिए शीघ्र ही एक सशक्त प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इसको लेकर सरकार ने भू गर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियमन) विधेयक 2026 तैयार किया है। लघु जल संसाधन विभाग ने इस विधेयक का प्रारूप सार्वजनिक कर आम लोगों, विशेषज्ञों और हितधारकों से इसपर राय मांगी है। प्रारूप के अनुसार, मुख्यालय स्तर से लेकर प्रखंड स्तर पर तीन अलग-अलग भू-गर्भ जल प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया जाना है।

प्रारूप के अनुसार, मुख्यालय स्तर पर लघु जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्राधिकरण का गठन होगा। इसमें अभियंता प्रमुख, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि, उद्योग, खान एवं भूतत्व, नगर विकास और ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेश स्तरीय अधिकारी शामिल रहेंगे। वहीं, जिला स्तरीय प्राधिकरण की कमान संबंधित जिले के डीएम के हाथों में होगी।

इसमें लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सदस्य सचिव होंगे। इसके अलावा अन्य विभागों के तकनीकी पदाधिकारियों के साथ जल प्रबंधन विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

राज्यस्तरीय प्राधिकरण के गठन के तीन महीने के भीतर जिला और उसके तीन महीने के अंदर प्रखंड स्तरीय प्राधिकरण का गठन होगा। लघु जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता (योजना अनुश्रवण भू-गर्भ) ई. शशि भूषण चौधरी ने इस प्रारूप को जारी किया है।

जिलों में भूजल के दोहन की अनुमति लेनी होगी

जिला स्तरीय प्राधिकरण का दायित्व जिलों में भू-गर्भ जल सुरक्षा योजनाओं को एकीकृत कर उन्हें ठोस रूप देना, उनका क्रियान्वयन और अनुश्रवण करते हुए समीक्षा रिपोर्ट तैयार करना होगा। समीक्षा के क्रम में किसी भी तरह की कमियां पाए जाने पर उसके निवारण का उपाय सुझाना, जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना भी इसके कार्य क्षेत्र में शामिल रहेगा। इसके अलावा अपने अधिकार क्षेत्र वाले जिले के अंदर भू-गर्भ जल के दोहन की अनुमति देने के लिए अनुशंसा एवं एनओसी निर्गत करने का अधिकार भी प्राधिकरण के पास होगा। भू-गर्भ जल का स्तर बनाए रखना और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी इसका दायित्व होगा। भू-गर्भ जल के घरेलू और कृषि कार्य के वर्तमान और नवीन उपयोगकर्ताओं का पंजीकरण प्रखंड स्तरीय प्राधिकरण के जिम्मे होगा।

सासाराम में अब गंदे पानी की होगी सफाई! डीएम ने देर रात पहुंचकर लिया जायजा

सासाराम (संवाददाता)। रोहतास जिले के सासाराम शहर में गंदे पानी के प्रबंधन और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। बेदा नहर के समीप सिंचाई विभाग की जमीन पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की योजना है। इसी प्रस्तावित स्थल की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी ने सोमवार देर रात निरीक्षण किया।

प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बेदा नहर के समीप सिंचाई विभाग की जमीन पर बनाया जाना है। इस स्थल का निरीक्षण जिलाधिकारी ने देर रात किया। निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित निर्माण स्थल और उससे जुड़े पहलुओं का जायजा लिया गया। शहर में सीवरेज और गंदे पानी के प्रबंधन को लेकर STP को महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। इसके माध्यम से शहर से निकलने वाले गंदे पानी के प्रबंधन को व्यवस्थित करने और जल निकासी व्यवस्था में सुधार लाने की दिशा में काम किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सोमवार देर रात प्रस्तावित STP स्थल का निरीक्षण किया। प्रशासनिक स्तर पर स्थल की स्थिति को समझने और परियोजना से जुड़े आवश्यक पहलुओं की जानकारी लेने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया।

दरभंगा और मुजफ्फरपुर में औद्योगिक पार्क से 95 हजार से ज्यादा रोजगार, सरकार का क्या है प्लान?

पटना (संवाददाता)।

दरभंगा और मुजफ्फरपुर में विकसित हो रहे दो नए औद्योगिक पार्क में 95 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। रोजगार यहां स्थापित होने वाली इकाइयों में मिलेगा। औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है। केंद्र सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना (भाव्या) के तहत बिहार सरकार ने इसका प्रस्ताव किया है। इसकी डीपीआर और मास्टर प्लान सहित निवेश-रोजगार का पूरा ब्योरा केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। दरभंगा में विकसित हो रहे औद्योगिक पार्क में 32 हजार 900 और मुजफ्फरपुर में 59 हजार 600 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

यहां बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। दोनों औद्योगिक पार्क में प्लग एंड प्ले योजना के तहत औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जानी है। दरभंगा के बहादुरपुर और हनुमान नगर प्रखंड में 385 एकड़ और मुजफ्फरपुर के पारू में 700 एकड़ में औद्योगिक पार्क विकसित हो रहा है। दोनों जगह भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है। दरभंगा के बहादुरपुर और हनुमान नगर के तरलाही, मोटनाजा, बिहारीमुकुंद, अम्माडीह में औद्योगिक पार्क के लिए जमीन ली जाएगी वहीं, मुजफ्फरपुर के पारू में चानपुर-चिहुटहा, भोजपट्टी, चतुर्पट्टी, विष्णुपुर-सरैया में जमीन ली जाएगी। दरभंगा में भूमि अधिग्रहण पर 601 करोड़ और मुजफ्फरपुर में 474.55 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। डीपीआर के अनुसार दोनों औद्योगिक इकाइयों में मिश्रित श्रेणी के उद्योग लगेंगे। प्लग एंड प्ले योजना के तहत स्थापित होने वाली इकाइयों में 6000 से 8100 करोड़ रुपये के बीच निवेश प्रस्तावित है। वहीं, मुजफ्फरपुर में 11 हजार करोड़ से 13500 करोड़ रुपये निवेश प्रस्तावित है।

बेगूसराय में बदमाशों का तांडव

...तब तुम्हारे मुंह में गोली मार दें, इतना बोल दबा दिया ट्रिगर

बेगूसराय (संवाददाता)।

बिहार के बेगूसराय में अपराधियों ने जमकर तांडव मचाया है। बेगसराय में वीरपुर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरा गांव स्थित सूर्य मंदिर परिसर में बदमाशों ने 19 वर्षीय दिव्यांग अजीत कुमार को मुंह में गोली मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह मुजफ्फरा गांव निवासी स्व. देवेन्द्र सहनी का पुत्र है। खून से लथपथ हालत में परिजनों ने उसे इलाज के लिए शहर के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया जहां वह मौत से जूझ रहा है।

घटना की सूचना पर सदर एसडीपीओ-दो कुमारी दुर्गा शक्ति ने निजी क्लीनिक पहुंचकर जख्मी की स्थिति की जानकारी चिकित्सक से ली। उसके बाद उसके परिजनों से घटना के बारे में पूछताछ की। जख्मी के चाचा उपेन्द्र सहनी ने बताया कि मुजफ्फरा गांव के उत्तर बांध किनारे सूर्य मंदिर है।

इसी परिसर में अजीत रात में सोता है। वह दिव्यांग है। शनिवार की रात चोर उचक्के आये व चोरी की किसी घटना में शामिल होने के लिए दबाव बनाया। जब अजीत ने उनके साथ जाने से इनकार कर दिया तो एक बदमाश ने कहा कि तब तुम्हारे मुंह में गोली मार दें। दोनों के बीच विवाद बढ़ने पर दूसरे बदमाश ने उसके मुंह में गोली मार दी। गोली लगने के बाद जख्मी होकर खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य लोगों ने उसके घर जाकर परिजनों को जानकारी दी। उसके बाद जख्मी ने अपने चाचा को घटना की पूरी जानकारी दी व बदमाशों का नाम भी बताया जिसने उसे गोली मारी। उसके बाद जख्मी को शहर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष राजू रंजन कुमार ने मौके पर पहुंच मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार अजीत सूर्य मंदिर परिसर में सो रहा था। तभी वहां उसका ग्रामीण दोस्त सुजीत कुमार आ गया और उसे चोरी करने के लिए जाने की जिद करने लगा। इस पर अजीत ने जाने से मना कर दिया। तभी सुजीत ने कमर से देसी कट्टा निकाला और उसके मुंह के पास ले जाकर गोली चला दी। गोली लगते ही अजीत लहूलुहान होकर बेसुध हो गया। गोली उसके गर्दन में फंस गई थी। फायरिंग की आवाज सुन वहां सो रहे अन्य लोग भी जग गए। उन्होंने घटना की सूचना परिजनों को दी। ग्रामीणों ने बताया कि गोली चलाने वाला युवक सुजीत कुमार चेरियाबरियारपुर थाना क्षेत्र के सकरबासा गांव का रहने वाला है। किन्तु वह बचपन से ही अपनी मां के साथ अपने ननिहाल मुजफ्फरा में ही रहता है।

सपी मनीष ने बताया कि जख्मी के दोस्त सुजीत कुमार के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। उसके बाद उसे गोली मारकर जख्मी कर दिया। आरोपित बदमाश चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव का रहने वाला है। वह अपनी नानी के घर मुजफ्फरा गांव में रहता है। सुजीत की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी गयी है।

थलपति विजय की सरकार पर बढ़ा दबाव, वाम दलों ने उपचुनाव में अकेले उतरने का किया ऐलान

सीपीआई और सीपीएम ने टीवीके से बनाई दूरी, सरकार को पूरे पांच साल समर्थन देने पर भी नीतियों और फैसलों को बताया आधार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कझगम सरकार की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। आगामी 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले सहयोगी वाम दलों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई धारापुरम सीट से और सीपीएम मदुरंतकम सीट से अपने उम्मीदवार उतारेगी। दोनों दलों ने स्पष्ट किया है कि वे टीवीके के नेतृत्व वाले किसी चुनावी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। इससे विजय सरकार और उसके सहयोगी दलों के बीच मतभेद की चर्चा तेज हो गई है। सीपीएम नेता पी षणमुगम ने कहा है कि विजय सरकार को पूरे पांच साल समर्थन मिलेगा या नहीं, यह सरकार की नीतियों, फैसलों और लोगों के प्रति उसके रवैये पर निर्भर करेगा। इस बयान को विजय सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, विजय को भविष्य के प्रधानमंत्री के रूप में पेश किए जाने को लेकर भी वाम दल सहज नहीं हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में राजनीतिक गतिविधियों और छात्र विरोध प्रदर्शनों को लेकर सरकार के रुख पर भी वाम दलों ने नाराजगी जताई है।

टीवीके सरकार की ओर से छात्रों के कुछ राजनीतिक प्रदर्शनों में शामिल होने पर रोक से संबंधित आदेश जारी किया गया था। विवाद बढ़ने के बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया। इसके बावजूद इस मुद्दे को लेकर वाम दलों की नाराजगी सामने आई है। गुजिलीअम्पराई में एक तहसीलदार द्वारा कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों का आंकड़ा जुटाने की खबरों ने भी विवाद को बढ़ाया है। वाम दलों की ओर से विजय की कार्यशैली और विधानसभा में उनके राजनीतिक अंदाज को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। वाम दलों का आरोप है कि विधानसभा में लगातार नाटकीय बहसबाजी के कारण जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। इन मतभेदों के बीच सीपीआई और सीपीएम का उपचुनाव में अलग-अलग मैदान में उतरना विजय सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बढ़ा सकता है।

गठबंधन की बैठक से वाम दलों ने बनाई दूरी

मुख्यमंत्री विजय ने गठबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से 9 सितंबर को एक अहम बैठक बुलाई थी। हालांकि, वाम दलों ने इस बैठक में हिस्सा नहीं लिया। सीपीएम के षणमुगम के अनुसार, टीवीके नए गठबंधन की दिशा में आगे बढ़ना चाहती थी, इसलिए उनकी पार्टी बैठक में शामिल नहीं हुई। वहीं सीपीआई ने कहा कि वह फिलहाल विजय सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है, लेकिन किसी चुनावी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेगी। उपचुनाव में अलग-अलग उम्मीदवार उतारने का फैसला इसी राजनीतिक स्थिति को स्पष्ट करता है।

'सरकार की ये क्या नीति है...'

भारतीय महिला टीम ने नकवी से नहीं ली ट्रॉफी तो ओवैसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने विमेंस एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर 8वीं बार खिताब जीता। हांलाकि जीत के बाद भारतीय वीमेंस टीम ने एक बार फिर एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। बीते साल भी मेंस टीम ने एशिया कप जीतने के बाद मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वहीं इस पूरे मामले में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है।

ओवैसी ने कहा कि जब भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया है, तो फिर आईसीसी के साथ किए गए समझौते के तहत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना जरूरी क्यों है? उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को टीवी प्रसारण अधिकारों से कमाई करने की अनुमति दी जा रही है। ओवैसी ने सरकार पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जिन लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खोया, उनके प्रति सरकार की संवेदना कहां है? उन्होंने कहा, 'आप उस देश के साथ क्रिकेट क्यों खेल रहे हैं, जो अब भी आतंकवाद को बढ़ावा देता है?' ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में लाल किले के पास हुए आत्मघाती हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ था। उन्होंने सवाल किया कि जब पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, तो उसके साथ क्रिकेट खेलने को लेकर सरकार की नीति क्या है।

बता दें कि, रविवार 14 सिंतबर को दुबई में इंडिया वीमेंस टीम ने श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप को अपने नाम किया। वहीं फाइनल के बाद भारतीय वीमेंस टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। बता दें कि,, मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत विरोधी बयान दिए थे। इस वजह से 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने उनके हाथों एशिया कप की ट्रॉफी नहीं ली थी। अब भारतीय विमेंस टीम ने उसी स्टैंड पर कायम रहते हुए नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

तरुण तेजपाल ने किया सरेंडर, भेजे गए जेल; रेप केस में 10 साल का सश्रम कारावास

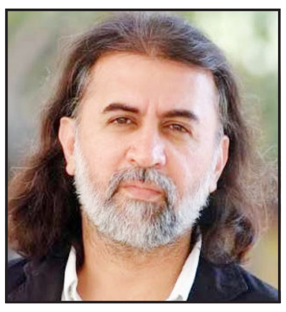

नई दिल्ली (एजेंसी)। तहलका के पूर्व एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल ने गोवा की अदालत के सामने सरेंडर कर दिया। उन्हें 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। सरेंडर के बाद उन्हें उत्तर गोवा के कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया गया। तेजपाल को अब हाई कोर्ट से मिली सजा के तहत जेल में रहना होगा। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने सरेंडर से छूट देने की उनकी मांग भी खारिज कर दी थी। यह मामला नवंबर 2013 का है, जब गोवा में पत्रिका की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में जूनियर महिला सहकर्मी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा था।

सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल की दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपील पर 22 सितंबर को सुनवाई तय की है। हालांकि, इसके लिए उन्हें सरेंडर के कागजात दाखिल करना जरूरी है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अगर यह प्रमाण पत्र 21 सितंबर तक दाखिल कर दिया जाता है, तो आपराधिक अपील को 22 सितंबर को नियमित पीठ के सामने सुनवाई के लिए लगाया जाएगा। तेजपाल ने 20 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट के 6 अगस्त के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी।

हाई कोर्ट ने बदला निचली अदालत का फैसला

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 6 अगस्त को तेजपाल की बरी होने की पुरानी अदालत की सुनवाई को पलट दिया था। मापुसा की अतिरिक्त सत्र अदालत ने मई 2021 में उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था। निचली अदालत का कहना था कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। इसके बाद गोवा सरकार ने इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने महिला की गवाही के साथ सीसीटीवी फुटेज और घटना के बाद भेजे गए ईमेल को भी अहम माना। अदालत ने कहा कि यौन उत्पीड़न से बची महिला से किसी आदर्श पीड़िता की तय छवि के मुताबिक व्यवहार की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने तेजपाल के उस बचाव को भी खारिज कर दिया, जिसमें आरोपों को जबरन वसूली या उनकी छवि खराब करने की कोशिश बताया गया था।

तेल के बाद अब यूरेनियम

सऊदी में मिला 11 करोड़ टन खनिज, रेयर अर्थ मिनरल्स की भी भरमार

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब ने एक बड़ी खोज का ऐलान किया है। देश के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान ने बताया कि मदीना इलाके में करीब 11 करोड़ टन कच्चा अयस्क मिला है। इसमें रेयर अर्थ और यूरेनियम दोनों मौजूद हैं। यह जानकारी वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी IAEA के सम्मेलन में दी गई। मंत्री ने कहा कि मदीना के जबल सय्यद प्रोजेक्ट में हुए सर्वे और भूवैज्ञानिक अध्ययन से यह भंडार सामने आया है। अनुमान है कि यहां करीब 110 मिलियन टन यानी 11 करोड़ टन अयस्क है। इसमें रेयर अर्थ खनिज खासतौर पर भारी तत्व अच्छी मात्रा में हैं। साथ ही यूरेनियम की भी आशाजनक मात्रा बताई गई है। मंत्री के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट दुनिया के उन बड़े स्थलों में शुमार हो सकता है जहां दुर्लभ धातुओं का विकास चल रहा है। हालांकि इस दौरान उन्होंने सटीक यूरेनियम प्रतिशत का आंकड़ा नहीं बताया। मंत्री के अनुसार, जबल सय्यद मदीना क्षेत्र में है।

यह जगह जेद्दा से करीब 350 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में बताई जाती है। पहले भी यहां दुर्लभ धातुओं के भंडार की चर्चा होती रही है। अब नए अध्ययन के बाद संसाधन का अनुमान बढ़ाकर पेश किया गया है। गौरतलब है कि रेयर अर्थ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियों, पवन ऊर्जा और रक्षा उद्योग में इस्तेमाल होती हैं। यूरेनियम परमाणु ऊर्जा के लिए कच्चा माल माना जाता है।

अरब देशों की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सऊदी अरब है। देश लंबे समय से तेल पर निर्भर रहा है। अब विजन 2030 के तहत वह आय के स्रोत बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसमें खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और नागरिक परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। सरकार कहती है कि वह अपने ऊर्जा मिश्रण को विविध बनाना चाहती है। यानी सिर्फ तेल और गैस नहीं, बल्कि सौर, पवन और परमाणु ऊर्जा भी।

घरेलू यूरेनियम निकालने और नागरिक परमाणु कार्यक्रम बढ़ाने की बात भी इसी योजना का हिस्सा है। ऊर्जा मंत्री ने यह भी कहा कि सऊदी अरब यूरेनियम खोज का राष्ट्रीय कार्यक्रम चला रहा है। एक रास्ता यह भी है कि फॉस्फेट खाद बनाने की प्रक्रिया से निकले अम्ल से यूरेनियम निकाला जाए।

रूस-यूक्रेन ने माना ट्रंप का फॉर्मूला, अब एक दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर नहीं करेंगे हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन और रूस, दोनों ऊर्जा ठिकानों पर हमला न करने पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यूक्रेन रूसी ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेगा। रूस भी ऐसा ही करने पर राजी हो गया है। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी ईरान युद्ध की वजह से नहीं, बल्कि इन हमलों की वजह से हुई है। हालांकि रूस और यूक्रेन ने अभी तक सार्वजनिक रूप से इस समझौते की पुष्टि नहीं की है।

इससे पहले रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से रूसी तेल रिफाइनरियों और डीजल के उत्पादन एवं वितरण में इस्तेमाल होने वाले अन्य बुनियादी ढांचों पर हमले रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन

हमलों से ईंधन की कमी पैदा हो रही है। ट्रंप ने यह बयान अमेरिका में डीजल की कीमतों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद दिया था, जब औसत कीमत छह डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई थी। दरअसल, यूक्रेन कई महीनों से लंबी दूरी के हमलों से रूस के तेल और गैस उद्योग को निशाना बना रहा है जिससे पूरे देश में ईंधन की कटौती करनी पड़ी और मॉस्को ने जुलाई में डीजल के निर्यात पर रोक लगा दी जिससे पहले से ही कमजोर वैश्विक बाजार से आपूर्ति कम हो गई। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ईंधन संकट की एक वजह ईरान में युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति में आई बाधा भी रही।

डोनाल्ड ट्रंप का बयान, कहा- ईरान युद्ध के बाद तेल पर कब्जा कर सकता है अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। आयरलैंड के दौरे पर ट्रंप ने संकेत दिए कि ईरान युद्ध समाप्त होने के बाद अमेरिका, वेनेजुएला की तरह ही ईरान में रुक सकता है और वहां के तेल पर अपना कब्जा रख सकता है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान युद्ध इसी साल नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के ठीक बाद खत्म हो सकता है।

ट्रंप ने यह टिप्पणियां आयरलैंड में आयरिश ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कीं। ट्रंप ने वैश्विक तेल बाजारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जैसे ही ईरान के साथ जारी युद्ध समाप्त होगा, वैश्विक बाजार में पेट्रोल-डीजल (गैसोलीन) की कीमतें चट्टान की तरह धड़ाम से नीचे गिरेंगी।

उन्होंने दावा किया कि ईरान लगातार शांति वार्ता के लिए फोन कर रहा है, हालांकि तेहरान ने अतीत में अमेरिकी दावों को खारिज किया है। ट्रंप ने ईरान मामले में अमेरिका के सामने एक नया विकल्प पेश किया, जिसकी तुलना उन्होंने अगस्त में वेनेजुएला के साथ हुए अमेरिकी समझौते दे से की। उन्होंने कहा, हम अंततः (ईरान से) बाहर निकल जाएंगे, बशर्ते हम वहां रुकने और वेनेजुएला की तरह तेल अपने पास रखने का फैसला न कर लें। वेनेजुएला से होने वाली अमेरिकी कमाई ने युद्ध की कीमत को कई गुना चुकाया है।

सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और शास्त्री को सीएसी में शामिल करो, सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई को दिया खास सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर हमेशा अपनी तर्कसंगत राय देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) की भूमिका और कार्यक्षेत्र को बढ़ाने का आग्रह किया है। इस सलाह के पीछे उनका मकसद यह है कि घरेलू क्रिकेट में मौजूद कमियों को दूर किया जा सके। हाल ही में दलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें ईस्ट जोन ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया था। सुनील गावस्कर को अब यह नियम रास नहीं आ रहा है। उन्होंने इस पर सुधार की गुंजाइश जताई थी।

घरेलू क्रिकेट में मौजूद तमाम अनियमितताओं को दूर करने के लिए गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को बड़े खिलाड़ियों के अनुभव का सही उपयोग करने का सुझाव दिया है। सुनील गावस्कर का मानना है कि सीएसी के लिए अपनी बात रखने का समय आ गया है। इस दिग्गज बल्लेबाज ने सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों को भारतीय क्रिकेट में मौजूद रहकर खामियों को सुधारने की इच्छा जाहिर की है। 2022 में सीएसी में अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक की नियुक्ति हुई थी। हालांकि, यह समिति अभी भी मौजूद है या भंग कर दी गई है, इसका कोई स्पष्ट जवाब फिलहाल उपलब्ध नहीं है। समिति का प्रमुख काम हमेशा से मुख्य कोच या चयनकर्ताओं की नियुक्ति करना रहा है। गावस्कर ने मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा 'चयन समितियों और सीएसी के अलावा बीसीसीआई में कोई समिति नहीं है। शायद अब समय आ गया है कि सीएसी का दायरा बढ़ाया जाए और चयनकर्ताओं और कोचों के चयन के साथ-साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों के शेड्यूल और भारतीय क्रिकेट से संबंधित सभी चीजों पर भी ध्यान दिया जाए। कुछ बेहद अनुभवी पूर्व क्रिकेटर हैं जिनकी विशेषज्ञता का उपयोग इस समिति में किया जा सकता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, रवि शास्त्री, अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, वीरेंद्र सहवाग जैसे नामों के बारे में क्या ख्याल है? अध्यक्ष और सचिव भी वहां मौजूद रहेंगे।' 1985 में भारत को चैंपियनशिप जिताने वाले गावस्कर ने कहा कि जब द्रविड़ और तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी मुख्य कोच और एनसीए के प्रमुख से बातचीत करेंगे, तो उसका महत्व और भी बढ़ जाएगा। उन्होंने बीसीसीआई से महिला क्रिकेट के लिए भी इसी तरह की समिति गठित करने का आग्रह किया। गावस्कर ने लिखा- 'जब यह समिति कोच, कप्तान और एनसीए के प्रमुख से बातचीत करती है, तो इसका प्रभाव अतुलनीय होता है। महिला क्रिकेट के लिए भी ऐसी ही एक समिति होनी चाहिए, जहां अनुभव और विशेषज्ञता मिलकर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए निर्णय लें।' उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए अंत में लिखा- 'इसके बारे में सोचते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। क्या यह कभी सच होगा, या यह सिर्फ एक सपना है?'

मिनी बस टैक्सियों की भिड़ंत में 21 लोगों की मौत

केपटाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में एक भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा दो मिनीबस टैक्सियों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत के बाद हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉरपोरेशन के अनुसार, हादसा केपटाउन से करीब 380 किलोमीटर पूर्व प्रिंस अल्बर्ट और लीउ-गामका के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर हुआ।

सपा में बड़ा बदलाव: शिवपाल की जगह अखिलेश के हाथों में आई लोहिया ट्रस्ट की कमान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले सपा में बड़ा बदलाव हुआ है। नौ साल से लोहिया ट्रस्ट की कमान संभाल रहे शिवपाल सिंह यादव की जगह अब अखिलेश संभालेंगे। सोमवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में सपा मुखिया अखिलेश को ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाए जाने पर सहमति जताई गई है। बतादें कि 2017 में तत्कालीन सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने प्रोफेसर रामगोपाल यादव को हटाकर शिवपाल यादव को लोहिया ट्रस्ट की जिम्मेदारी सौंपी थी। तब से शिवपाल सिंह यादव ट्रस्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

लोहिया ट्रस्ट में हुए इस बदलाव को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं। ऐसे में शिवपाल यादव की भूमिका और अखिलेश यादव के साथ उनके राजनीतिक रिश्तों को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, ट्रस्ट में हुए बदलाव को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से इस घटनाक्रम को लेकर कोई ऐसा बयान सामने नहीं आया है, जिसमें इसे 2017 के विवाद से जोड़कर देखा गया हो।

2017 में सपा परिवार में वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी, लेकिन 2026 आते-आते सपा परिवार की पूरी तस्वीर ही बदल चुकी है। समाजवादी पार्टी के मुखिया की कमान संभाल रहे अखिलेश यादव के पास अब जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट की जिम्मेदारी भी है। अब उन्हें लोहिया ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाकर तीसरी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। आठ सदस्यों ने अखिलेश को अध्यक्ष बनाए जाने पर फैसला लिया है। बैठक के दौरान आठों सदस्यों के साथ शिवपाल यादव भी मौजूद रहे।

सपा से जुड़े लोहिया ट्रस्ट में हुए बदलाव को लेकर यूपी की सियासत गरमा गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से शिवपाल यादव को हटाकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के अध्यक्ष बनने पर भाजपा ने सपा पर निशाना साधा है। भाजपा ने इस घटनाक्रम को सपा के पुराने पारिवारिक विवाद से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि लोहिया ट्रस्ट में हुए बदलाव से लगता है कि समाजवादी पार्टी में एक बार फिर बवाल शुरू होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया के नाम पर बने ट्रस्ट को परिवार का अड्डा बना दिया गया है। यह डॉ. लोहिया की विचारधारा और उनकी विरासत का अपमान है।

राकेश त्रिपाठी ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में सामने आए पारिवारिक विवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भी पार्टी के भीतर चाचा-भतीजे के बीच टकराव खुलकर सामने आया था। अब एक बार फिर भतीजे ने चाचा को हटाकर कमान अपने हाथ में ले ली है।

सर्किट हाउस में पोर्न स्टार को मिला वीआईपी ट्रीटमेंट, वीडियो सामने आने के बाद ओडिशा में बवाल

राउरकेला (एजेंसी)। ओडिशा के राउरकेला स्थिति सर्किट हाउस में हथियारों का जखीरा मिलने के बाद सनसनी फैल गई थी। अब यह सर्किट हाउस एक बार फिर विवाद में आ गया है। इस बार एक एडल्ट फिल्म स्टार के वीडियो के बाद हड़कंप मच गया है। अभी एक साल पहले ही मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने इस सर्किट हाउस का उद्घाटन किया है। वीडियो के मुताबिक सर्किट हाउस में एडल्ट फिल्म स्टार को वीआईपी ट्रीटमेंट दियाजा रहा है। अब सरकार ने मामले की जांच करने के आदेश दे दिए हैं। पोर्न फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री टीना नंदी ने सोशल मीडिया पर 5 मिनट का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि 1 दिसंबर 2025 को वह सर्किट हाउस में रुकीं। उनके लिए लग्जरी आउडी की व्यवस्था की गई। इसके अलावा उनकी सुख सुविधा का ध्यान रखा गया। नंदी यह भी कहती हैं कि इस सर्किट हाउस में बड़े पदाधिकारी ही रह सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया कि वह एसपीऔर उनके बेटे से भी मिलने वाली हैं। इस मामले में राउरकेला पुलिस ने तीन लोगों से पूछताछ की है। पहले तो यह पता लगाने की कोशिश है कि जिस व्यक्ति के पास रूम बुक करने का जिम्मा था उसने ऐसा क्यों किया। पुलिस ने एसपी रैंक के एक अधिकारी के बेटे को भी गिरफ्तार किया है। इसके साथ हीएक निजी कंपनी के मालिक और ट्रैवल ऑपरेटर को गिरफ्तार किया गया है। वेस्टर्न रेंज के डीआईजी ने कहा कि इस मामले में पूछताछ चल रही है। इससे पहले अगस्त 2026 को राउरकेला पुलिस ने सर्किट हाउस में तलाशी ली थी। इस दौरान यहां से बंदूकें बरामद की गईं। इसके बाद कम से कम सात लोगों को हिरासत में लिया गया।

संजू सैमसन की तूफानी फिफ्टी और भारतीय गेंदबाजों के दम पर अफगानिस्तान चारों खाने चित, दूसरे टी-20 में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ भारत ने 2-0 से सीरीज पर किया कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज पर कब्जा कर लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने सीरीज का पहला मुकाबला भी 7 विकेट से अपने नाम किया था। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अरुण जेटली स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर अफगानिस्तान की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों से ही अफगान बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाते रहे।

अफगानिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन बनाए और भारत के सामने जीत के लिए 160 रनों का लक्ष्य रखा। भारतीय गेंदबाजों में नीतीश कुमार रेड्डी सबसे प्रभावी रहे। उन्होंने केवल 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को भी एक-एक सफलता मिली।

भारतीय गेंदबाजी की शुरुआत बेहद शानदार रही। जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ही ओवर में अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और मेडन ओवर डालकर दबाव बना दिया। इसके बाद अर्शदीप सिंह ने रहमानुल्लाह गुरबाज को पवेलियन भेजकर भारत को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद इब्राहिम जादरान ने पारी संभालने की कोशिश की। उन्होंने 33 गेंदों में 37 रन बनाए। हालांकि, 51 रन के स्कोर पर नीतीश कुमार रेड्डी ने उन्हें आउट कर अफगानिस्तान को दूसरा झटका दिया। इसके बाद रवि बिश्नोई ने सेदिकुल्लाह अटल को आउट कर भारत को एक और सफलता दिलाई। अफगानिस्तान की पारी के मध्य ओवरों में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा बना रहा। एक समय अफगानिस्तान की टीम लगातार विकेट गंवा रही थी और बड़ा स्कोर बनाना मुश्किल नजर आ रहा था। हालांकि, दरविश रसूली ने 15 गेंदों में 26 रन बनाकर तेजी से रन जुटाए।

पारी के अंतिम चरण में अनुभवी मोहम्मद नबी और राशिद खान ने मोर्चा संभाला। नबी ने 14 गेंदों में 20 रन बनाए, जबकि राशिद खान ने केवल 16 गेंदों में 28 रनों की तेज पारी खेली। इन पारियों की बदौलत अफगानिस्तान किसी तरह 159 रन तक पहुंचने में सफल रहा।

भारत की ओर से नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए और अफगानिस्तान के मध्यक्रम को बड़ा स्कोर बनाने से रोकने में अहम भूमिका निभाई। अर्शदीप सिंह ने भी दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। जसप्रीत बुमराह ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर एक विकेट लिया।

अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाजी के सामूहिक प्रदर्शन के कारण अफगानिस्तान 160 रन के आंकड़े से आगे नहीं जा सका। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया।

14.5 ओवर में भारत ने हासिल किया लक्ष्य

भारत ने 160 रनों के लक्ष्य को केवल 14.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम का स्कोर 163/3 रहा, जबकि अफगानिस्तान ने 159/8 रन बनाए थे। इस तरह भारत ने मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पहला टी-20 भी भारत ने 7 विकेट से जीता था और अब दूसरे मुकाबले में भी उसी अंतर से जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम कर ली।

वैभव सूर्यवंशी को फिर नहीं मिली जगह

भारत की प्लेइंग इलेवन में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर जगह नहीं मिली। टीम ने संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसे बल्लेबाजों के साथ मैदान पर उतरकर आक्रामक शुरुआत की और इसका फायदा भी टीम को मिला।

अब 17 सितंबर को आखिरी मुकाबला

तीन मैचों की सीरीज में भारत ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। अब सीरीज का तीसरा और आखिरी टी-20 मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। भारतीय टीम की नजर अब सीरीज में अफगानिस्तान का पूरी तरह सफाया करने पर होगी, जबकि अफगानिस्तान आखिरी मुकाबला जीतकर सम्मान के साथ सीरीज समाप्त करना चाहेगा।

श्रेयस अय्यर बड़ी पारी नहीं खेल सके

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर इस मुकाबले में बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्होंने 11 गेंदों का सामना करते हुए 11 रन बनाए और राशिद खान का शिकार बने। उनके आउट होने के बाद तिलक वर्मा और ईशान किशन ने पारी को आगे बढ़ाया।

ईशान किशन ने खेली मैच जिताऊ पारी

ईशान किशन ने भी जिम्मेदारी के साथ आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 23 गेंदों में 38 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। ईशान ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को लक्ष्य के बेहद करीब पहुंचा दिया। तिलक वर्मा ने 14 गेंदों में 15 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर भारत को जीत तक पहुंचाया और अफगानिस्तान की वापसी की आखिरी उम्मीद भी खत्म कर दी।

अभिषेक शर्मा ने भी बरसाए चौके-छक्के

संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने वाले अभिषेक शर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 19 गेंदों में 39 रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। अभिषेक ने 205 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद भी भारतीय टीम की रन गति पर कोई खास असर नहीं पड़ा। भारत ने लक्ष्य का पीछा लगातार आक्रामक अंदाज में जारी रखा।

राशिद खान ने तीन विकेट लिए, लेकिन जीत नहीं रोक सके

अफगानिस्तान की ओर से अनुभवी स्पिन गेंदबाज राशिद खान ने भारत के तीनों विकेट लिए। उन्होंने 3.5 ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। उन्होंने पहले अभिषेक शर्मा को आउट किया और इसके बाद संजू सैमसन तथा श्रेयस अय्यर को भी पवेलियन भेजा। हालांकि, राशिद खान की कोशिशों के बावजूद अफगानिस्तान भारतीय बल्लेबाजों को रोकने में सफल नहीं रहा। शुरुआती ओवरों में ही भारत ने जिस तेजी से रन बनाए, उससे मुकाबले का रुख लगभग स्पष्ट हो गया था।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास, मिताली राज को पीछे छोड़ बनीं एशिया कप की सबसे सफल कप्तान

श्रीलंका को 72 रन से हराकर भारत ने जीता आठवां महिला एशिया कप खिताब, हरमनप्रीत के नाम बतौर कप्तान चौथी ट्रॉफी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। दुबई में 13 सितंबर को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती। इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की और एशिया कप इतिहास में सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली कप्तान बन गईं।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मिली जीत के साथ हरमनप्रीत कौर ने एशिया कप में बतौर कप्तान अपना चौथा खिताब जीत लिया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है। मिताली राज की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने तीन बार एशिया कप का खिताब जीता था। मिताली राज को भारतीय महिला क्रिकेट की महानतम कप्तानों में गिना जाता है। लंबे समय तक बतौर कप्तान सबसे ज्यादा एशिया कप खिताब जीतने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। हालांकि, 2026 में श्रीलंका के खिलाफ मिली खिताबी जीत के बाद हरमनप्रीत कौर इस सूची में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं।

दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 183 रन बनाए। भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 129 रन की शानदार साझेदारी की। शेफाली वर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 68 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने 59 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दोनों की शानदार बल्लेबाजी के कारण भारतीय टीम शुरुआत से ही बड़े स्कोर की ओर बढ़ती रही। सलामी जोड़ी की इस साझेदारी ने फाइनल में भारत की जीत की मजबूत नींव रखी।

श्रीलंका को हराकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में अपना आठवां खिताब हासिल किया। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा एक बार फिर कायम किया है। फाइनल में भारतीय टीम ने दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 183 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया और इसके बाद गेंदबाजों ने श्रीलंका को सिर्फ 111 रन पर समेट दिया। 72 रन की जीत ने भारत को महिला एशिया कप 2026 का चैंपियन बना दिया।

भारतीय महिला क्रिकेट में मिताली राज की कप्तानी का विशेष स्थान रहा है। उनकी कप्तानी में भारत ने तीन एशिया कप खिताब जीते थे। अब हरमनप्रीत कौर ने चार खिताबों के साथ इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि हरमनप्रीत की कप्तानी में निरंतरता और बड़े मुकाबलों में टीम को जीत दिलाने की क्षमता को दर्शाती है। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में भारत की जीत ने न केवल टीम को आठवीं एशिया कप ट्रॉफी दिलाई, बल्कि हरमनप्रीत के नाम भी एक नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड दर्ज कर दिया।

भारतीय गेंदबाजों के सामने श्रीलंका की बल्लेबाजी ढही

भारत की ओर से दिए गए 184 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। श्रीलंका की पूरी टीम 111 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह भारत ने फाइनल मुकाबला 72 रन से जीतकर महिला एशिया कप 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी दमदार प्रदर्शन किया और श्रीलंका को लक्ष्य से काफी दूर रोक दिया।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत का दबदबा

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मिली जीत ने उनकी कप्तानी में टीम के प्रदर्शन को एक और बड़ी उपलब्धि दी है। भारत ने जहां अपना आठवां एशिया कप खिताब जीता, वहीं हरमनप्रीत ने बतौर कप्तान चौथी बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की ट्रॉफी हासिल की। चार एशिया कप खिताबों के साथ हरमनप्रीत अब इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल कप्तान बन गई हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने महत्वपूर्ण मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है।

धीरज बोम्मादेवर ने रचा इतिहास, खिताब जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बने

मेक्सिको (एजेंसी)। भारत के 25 वर्षीय आर्मी तीरंदाज धीरज बोम्मादेवर ने आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुष रिकर्व वर्ग के फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को शूट-ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही धीरज इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं।

दुनिया के 10वें नंबर के तीरंदाज धीरज ने मैक्सिको के साल्टिलो में खेले गए फाइनल में विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद नाकानिशी जुन्या को 6-5 से मात दी। पांच सेट के बाद दोनों तीरंदाजों का स्कोर 5-5 से बराबर था, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूट-ऑफ से हुआ। शूट-ऑफ में धीरज ने शानदार संयम दिखाते हुए 10 अंक हासिल किए, जबकि नाकानिशी केवल 9 अंक ही जुटा सके। इस तरह धीरज ने स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

मुकाबला इतना करीबी रहा कि विजेता का फैसला बेहद छोटे अंतर से हुआ। आखिरी क्षणों में धीरज ने दबाव को संभाला और शूट-ऑफ में सटीक निशाना लगाकर खिताब जीत लिया।

धीरज की इस जीत से 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल का एक और बड़ा गौरव मिला है। इससे पहले जयंत तालुकदार ने 2010 में एडिनबर्ग में कांस्य पदक जीता था। हालांकि, कोई भी भारतीय पुरुष तीरंदाज इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक नहीं जीत सका था। धीरज ने इस कमी को पूरा करते हुए भारत के लिए नया इतिहास लिख दिया।

आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के लिए व्यक्तिगत खिताब जीतने वाली पहली तीरंदाज डोला बनर्जी थीं। उन्होंने 2007 में दुबई में महिला वर्ग का खिताब जीता था। अब धीरज बोम्मादेवर की जीत के साथ भारत को 19 साल बाद इस टूर्नामेंट में दूसरा व्यक्तिगत चैंपियन मिला है। साथ ही, वह पुरुष वर्ग में खिताब जीतने वाले भारत के पहले तीरंदाज बन गए हैं।

धीरज इससे पहले 2023 और 2024 के आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन दोनों मौकों पर वह पदक जीतने में सफल नहीं रहे थे। तीसरी बार उन्होंने नॉकआउट दौर में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में भी दबाव के बीच बेहतरीन खेल दिखाते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। भारत की सबसे सफल तीरंदाजों में शामिल दीपिका कुमारी आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने आठ बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है और कुल छह पदक जीते हैं। इनमें पांच रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। हालांकि, साल्टिलो में धीरज ने अपनी अलग पहचान बनाई और भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी के लिए एक नया अध्याय शुरू किया। धीरज की इस जीत ने न केवल उन्हें आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल का चैंपियन बनाया, बल्कि भारतीय पुरुष तीरंदाजी को भी नई ऊंचाई दी। दो बार पदक से चूकने के बाद तीसरे प्रयास में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर साबित किया कि बड़े मंच पर धैर्य और दबाव में सही निशाना लगाना कितना महत्वपूर्ण होता है।

एलेना रिबाकिना बनीं पहली कजाख वर्ल्ड नंबर-1, झेंग ने लगाई 69 पायदान की छलांग

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कजाखस्तान की टेनिस स्टार एलेना रिबाकिना सोमवार को जारी ताजा डब्ल्यूटीए रैंकिंग में आधिकारिक तौर पर दुनिया की नंबर-1 महिला एकल खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर यह उपलब्धि हासिल की। रिबाकिना कजाखस्तान की पहली ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पुरुष या महिला एकल रैंकिंग में दुनिया का शीर्ष स्थान हासिल किया है।

रिबाकिना को अमेरिका की प्रतिष्ठित टेनिस प्रतियोगिता यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में चीन की झेंग किनवेन को हराने के बाद ही यह भरोसा हो गया था कि वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लेंगी। इसके बाद उन्होंने फाइनल में आर्यना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन का खिताब भी अपने नाम कर लिया। रिबाकिना ने फाइनल मुकाबले में सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। यह उनका पहला यूएस ओपन खिताब है। इस जीत के साथ ही उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन को दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि में बदल दिया।

एलेना रिबाकिना अब कजाखस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने एकल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 पोजिशन हासिल की है। इससे पहले कोई भी कजाख पुरुष या महिला खिलाड़ी यह मुकाम हासिल नहीं कर सका था। रिबाकिना की इस उपलब्धि को कजाखस्तान के टेनिस इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रिबाकिना पूरे सत्र में सबालेंका के बेहद करीब बनी हुई थीं। जहां सबालेंका के प्रदर्शन में सत्र के मध्य में गिरावट देखने को मिली, वहीं रिबाकिना ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान की ओर कदम बढ़ाए। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और अपनी रैंकिंग में सुधार करती चली गईं। रिबाकिना ने पिछले साल के अंत से ही अपनी रैंकिंग में सुधार करना शुरू कर दिया था। इस साल के मध्य में उन्होंने उत्तरी अमेरिकी हार्ड-कोर्ट सत्र में शानदार प्रदर्शन किया।

आईसीसी का पाकिस्तान पर बड़ा एक्शन, 50% मैच फीस कटी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 11 अंक भी गंवाए

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति पड़ी भारी, कप्तान बाबर आजम ने मानी गलती; अंक तालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप झेलने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पाकिस्तान पर बड़ी कार्रवाई की है। टीम पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खाते से 11 अंक भी काट दिए गए हैं। यह कार्रवाई इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण की गई है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान की टीम निर्धारित समय में 11 ओवर कम फेंक पाई। समय में मिली छूट को ध्यान में रखने के बाद भी पाकिस्तान 11 ओवर पीछे रहा। इसी वजह से टीम पर मैच फीस में 50 प्रतिशत कटौती का दंड लगाया गया और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में उसके खाते से 11 अंक घटा दिए गए।

मैच रेफरी रंजन मदुगले ने मैदान पर मौजूद अंपायर, तीसरे अंपायर और चौथे अंपायर की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद पाकिस्तान के खिलाफ यह कार्रवाई की। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने धीमी ओवर गति से जुड़े आरोपों को स्वीकार कर लिया। उनके द्वारा आरोप स्वीकार किए जाने के बाद मामले में किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी और नियमों के तहत पाकिस्तान पर कार्रवाई कर दी गई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार, निर्धारित ओवरों से प्रत्येक एक ओवर कम फेंकने पर टीम की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। यह जुर्माना अधिकतम 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में निर्धारित संख्या से प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। पाकिस्तान की टीम 11 ओवर पीछे रही, इसलिए उसकी मैच फीस में अधिकतम 50 प्रतिशत कटौती की गई और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खाते से 11 अंक भी घटा दिए गए।

इस दोहरी सजा के बाद पाकिस्तान को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में बड़ा नुकसान हुआ है। टीम अब नौवें और आखिरी स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का अंक प्रतिशत 14.81 से घटकर केवल 4.63 रह गया है। इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा अभियान में उसकी स्थिति और कमजोर हो गई है। अब टीम के लिए आगे के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना और नियमों का सख्ती से पालन करना बेहद जरूरी होगा।

आईसीसी की यह कार्रवाई इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की निराशाजनक टेस्ट श्रृंखला के बाद हुई है। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। इस पूरी श्रृंखला में पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के सामने संघर्ष करती नजर आई और एक भी मुकाबला जीतने में सफल नहीं रही।

तीसरे टेस्ट की पहली पारी में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 133 रन पर ऑलआउट हो गई थी। हालांकि, दूसरी पारी में पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने वापसी करते हुए 449 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 130 रन का लक्ष्य रखा। इसके बावजूद इंग्लैंड ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए आठ विकेट से जीत दर्ज कर ली।

पाकिस्तान के लिए यह दौरा कई मायनों में निराशाजनक रहा। एक ओर टीम को टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण मैच फीस में भारी कटौती और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक गंवाने पड़े हैं। इन दोनों घटनाओं ने टीम की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में प्रत्येक अंक काफी महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि अंक प्रतिशत के आधार पर टीमों की स्थिति तय होती है। ऐसे में 11 अंकों की कटौती पाकिस्तान के अभियान के लिए बड़ा झटका है। 14.81 से घटकर 4.63 अंक प्रतिशत पर पहुंचने के बाद पाकिस्तान को अब आगे के मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से स्थिति सुधारने की कोशिश करनी होगी। धीमी ओवर गति को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियम काफी स्पष्ट हैं। निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करने पर टीम को आर्थिक दंड के साथ-साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अंकों की कटौती का भी सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान के मामले में तीसरे टेस्ट के दौरान 11 ओवर पीछे रहना बेहद महंगा साबित हुआ है।

कप्तान बाबर आजम द्वारा आरोप स्वीकार किए जाने के बाद मामला लंबी प्रक्रिया में नहीं गया। मैच रेफरी रंजन मदुगले ने उपलब्ध अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की। इस तरह पाकिस्तान को अब 50 प्रतिशत मैच फीस के जुर्माने और 11 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक गंवाने का नुकसान झेलना होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में खराब प्रदर्शन और आईसीसी की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सामने अब आगे बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है। टीम को मैदान पर परिणाम हासिल करने के साथ-साथ ओवर गति जैसे नियमों पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

संपादकीय

बांग्लादेश की सामरिक दिशा के ठोस संकेत

पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुड़ने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला बांग्लादेश की नई सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।

बांग्लादेश ने पुष्टि कर दी है कि वह चीन में बने 4.5वीं पीढ़ी के जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने जा रहा है। इसके अलावा वह चीनी लड़ाकू हेलीकॉप्टर, वीआईपी ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर, और ड्रोन्स की खरीदारी भी करेगा। इसका अर्थ है कि अब बांग्लादेश चीन अस्त्र प्रणाली का हिस्सा बनने जा रहा है। इस फैसले का औचित्य बताते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार जियाउर रहमान ने जो कहा, उस पर भारत को अवश्य ध्यान देना चाहिए। रहमान ने कहा कि पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के दौरान खबर मिली कि पाकिस्तान ने जे-10सीई के जरिए भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया। उसे ध्यान में रखते हुए ही बांग्लादेश ने उन विमानों को खरीदने का फैसला किया है।

कुछ ही रोज पहले बांग्लादेश ने मक्का सुरक्षा समझौते में शामिल होने की इच्छा जताई। हालांकि इस समझौते में शामिल देशों से बांग्लादेश को कोई न्योता नहीं मिला है, मगर संसद में विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि अगर आमंत्रण मिलता है, तो उस पर बांग्लादेश सकारात्मक नजरिए से विचार करेगा। मक्का समझौता पाकिस्तान, सऊदी अरब, और तुर्किये के बीच हुआ है। ईरान युद्ध से पश्चिम एशिया में बदली सामरिक स्थितियों के बीच उस क्षेत्र में नई उभरती सुरक्षा व्यवस्था में पाकिस्तान की भूमिका ठोस ढंग से बढ़ रही है।

बीते हफ्ते कुवैत ने भी अपनी सेना को प्रशिक्षित करने, खुफिया जानकारी साझा करने, तथा रक्षा तकनीक और सीमा प्रबंधन में सहयोग के लिए पाकिस्तान से नया सैन्य समझौता किया। पाकिस्तान से अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को जोड़ने के खाड़ी देशों की ताजा सोच के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। एक तो पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, और दूसरा उसकी तीन चौथाई हथियार प्रणालियां का चीनी सिस्टम से जुड़ी हुई हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश के पाकिस्तान से आम संबंध गहरे हुए हैं।

यूएनएससी में इंडिया की स्थायी सदस्यता का रास्ता

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को अब वह बड़ा रणनीतिक समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, जिस पर लंबे समय से पूरी दुनिया की नजर थी। नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस की मौजूदगी में चीन और रूस ने भारत को संयुक्त राष्ट्र, विशेषकर सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराकर भारत के दावे को नई ताकत दे दी है। इससे पहले ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका भी सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन हर बार यह मामला चीन की असहमति पर आकर अटक जाता था। अब पहली बार ऐसा संकेत मिल रहा है कि चीन का रुख भी बदल रहा है। रूस के साथ चीन का समर्थन मिलना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि सुरक्षा परिषद की दशकों पुरानी शक्ति-संरचना के सामने एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश भी है।

इस घटनाक्रम को तमाम अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक भारत के लिए बड़ी जीत बता रहे हैं। अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने तो यहां तक कहा है कि भारत के अलावा कोई दूसरा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के छठे स्थायी सदस्य बनने का इतना मजबूत दावा नहीं रखता। सैक्स ने भारत की करीब डेढ़ अरब की आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक क्षमता को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। उनका कहना है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में लगातार अपनी प्रभावशाली भूमिका साबित कर रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से भारत की स्थायी सदस्यता की मांग का खुलकर समर्थन करने से बचता रहा है। सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता रखने वाला चीन यदि भारत के दावे के समर्थन में खड़ा होता है, तो यह भारत के लिए बड़ी राहत की बात है। सिटीगाइड खोजें

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद में फिलहाल पांच स्थायी सदस्य हैं। चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। इनके पास वीटो पावर है, जिसके जरिये इनमें से कोई भी देश किसी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को रोक सकता है। इसके अलावा दस अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होता है। इसके अलावा, विडंबना देखिए कि 1945 में जिस वैश्विक शक्ति-संतुलन को ध्यान में रखकर यह व्यवस्था बनाई गई थी, वही ढांचा आज भी लगभग उसी रूप में कायम है। जबकि दुनिया की आबादी, अर्थव्यवस्था, शक्ति-संतुलन और राजनीतिक वास्तविकताएं बदल गईं, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा नहीं बदला।

यही वह बिंदु है जहां संयुक्त राष्ट्र सुधार की जरूरत सबसे ज्यादा दिखाई देती है। जिस संस्था का मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना है, वही संस्था जब दुनिया के बड़े हिस्से को निर्णय प्रक्रिया से पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दे पाती, तो उसकी वैधता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की विशाल आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा बेहद असंतुलित है। देखा जाये तो दुनिया के संकटों का असर जिन देशों और समाजों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, निर्णय लेने की मेज पर उनकी आवाज उतनी ही कमजोर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी असमानता को रेखांकित करते हुए वैश्विक निर्णय व्यवस्था को विशेषाधिकारों की पिरामिड जैसी संरचना बताया है। उन्होंने कहा कि ऊपर बैठे शक्तिशाली देश निर्णय लेते हैं और नीचे मौजूद देशों को उन निर्णयों के परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने इस विशेषाधिकार की पिरामिड को साझेदारी के मंच में बदलने का आह्वान किया है।

इजरायल को झटका या भारत की संतुलित कूटनीति?

भारत की अध्यक्षता में जारी ब्रिक्स के साझा घोषणापत्र में सभी सदस्य देशों के बीच सफल आम सहमति बनी है। घोषणापत्र में अमेरिका का नाम लिए बिना एकतरफा प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव वाले कदमों की आलोचना की गई है, जबकि लेबनान और गाजा के संकट पर इजरायल का नाम लेकर कड़ा रुख अपनाया गया है। पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों के बीच इस साझा बयान को भारत की संतुलित कूटनीति और विदेश नीति कौशल के महत्वपूर्ण उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संयुक्त बयान ऐसे समय जारी हुआ है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बना हुआ है। इस बयान में लेबनान के मुद्दे पर इजरायल का सीधे नाम लेते हुए उसकी आलोचना की गई है और लेबनान में युद्धविराम का पालन करने पर जोर दिया गया है। वहीं, अमेरिका की एकतरफा पाबंदियों की आलोचना करते समय न तो अमेरिका और न ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिया गया है। साझा बयान पर सभी सदस्य देशों की सहमति बनवाना भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती थी, क्योंकि इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता और सम्मेलन की मेजबानी दोनों भारत कर रहा है। घोषणापत्र में इस्तेमाल किए गए शब्दों का चुनाव बेहद सावधानी से किया गया है। उदाहरण के तौर पर संयुक्त बयान में संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर जाकर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों की आलोचना की गई है, लेकिन अमेरिका का नाम नहीं लिया गया। इसी तरह परमाणु ठिकानों पर हमलों की निंदा की गई है, लेकिन ईरान का सीधे उल्लेख नहीं किया गया। इसके विपरीत गाजा और लेबनान से जुड़े कई हिस्सों में इजरायल का नाम स्पष्ट रूप से लिया गया है।

इस संयुक्त बयान को तैयार करना इसलिए भी कठिन था क्योंकि ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को लेकर अलग-अलग तरह की भाषा चाहते थे। ऐसे में सभी सदस्य देशों की सहमति से बयान जारी होना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है। खासकर इसलिए क्योंकि पहले ऐसी अटकलें थीं कि रूस और ईरान अमेरिका के खिलाफ काफी कड़ी भाषा का इस्तेमाल करवाना चाहेंगे, जिसका भारत और ब्रिक्स के अन्य देश विरोध कर सकते हैं। हालांकि, अंत में सभी देशों के बीच सहमति बनी और साझा घोषणापत्र जारी हो गया। इजरायल को लेकर ब्रिक्स के घोषणापत्र में गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने पर जोर दिया गया है। साथ ही फिलिस्तीनियों को जबरन उनके घरों और जमीन से विस्थापित किए जाने का विरोध किया गया है। ब्रिक्स ने 1967 की सीमाओं के आधार पर पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर एक संप्रभु फिलिस्तीनी राष्ट्र के गठन के समर्थन को भी दोहराया है।

घोषणापत्र में दक्षिण अफ्रीका की ओर से इजरायल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चल रही कार्यवाही का भी उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स ने कहा कि गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति सुनिश्चित करना इजरायल का कानूनी दायित्व है। इस रुख से गाजा संकट को लेकर ब्रिक्स की चिंता स्पष्ट होती है। लेबनान के मुद्दे पर ब्रिक्स ने युद्धविराम का स्वागत करते हुए सभी पक्षों से इसकी शर्तों का पालन करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की अपील की है। घोषणापत्र में युद्धविराम के लगातार उल्लंघन और लेबनान की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा की गई है। ब्रिक्स ने सीधे तौर पर इजरायल से लेबनान के इलाकों से अपनी सेना वापस बुलाने को कहा है। संगठन ने इजरायल से लेबनान सरकार के साथ हुए समझौते की शर्तों का सम्मान करने और उन सभी लेबनानी क्षेत्रों से अपनी सेनाएं हटाने का आह्वान किया है, जहां वे अभी भी मौजूद हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 1701 वर्ष 2006 में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध के बाद अपनाया गया था। इसमें इजरायली सेना की वापसी तथा दक्षिणी लेबनान में लेबनानी सेना और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की तैनाती की बात कही गई थी। घोषणापत्र की अहम बातों में से एक एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों से जुड़ा मुद्दा है। घोषणापत्र में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों को लागू करने की निंदा की जाती है। इसमें दोहराया गया है कि ऐसे कदमों, विशेष रूप से एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों और दूसरे देशों पर लगाए जाने वाले द्वितीयक प्रतिबंधों के दूरगामी नकारात्मक प्रभाव होते हैं।

घोषणापत्र में कहा गया है कि ऐसे कदमों का गरीब और कमजोर वर्गों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों की आलोचना की गई है। इसमें ऐसे प्रतिबंध भी शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी प्राप्त नहीं है। हालांकि, इस पूरे हिस्से में अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। यह भाषा रूस और ईरान के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों ही ब्रिक्स के सदस्य हैं और अमेरिका ने उन पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं। रूस और ईरान लंबे समय से वॉशिंगटन की प्रतिबंध संबंधी नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। इसलिए घोषणापत्र में इस्तेमाल की गई भाषा से मॉस्को और तेहरान की एक महत्वपूर्ण चिंता का ध्यान रखा गया है, लेकिन बयान को सीधे तौर पर अमेरिका पर हमले के रूप में भी पेश नहीं किया गया। ब्रिक्स ने विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों को लेकर भी गहरी चिंता जताई है। इस हिस्से में भी किसी देश का नाम नहीं लिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद यह मुद्दा और महत्वपूर्ण हो गया है। ट्रंप कई बार ब्रिक्स को अमेरिका-विरोधी समूह बता चुके हैं। उन्होंने इस समूह के साथ जुड़ने वाले देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। इसके अलावा डॉलर को कमजोर करने की कोशिशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की चेतावनी भी दी गई है। इन तनावों का असर केवल ब्रिक्स तक सीमित नहीं है। रूस से तेल खरीदने के कारण भारत को भी अमेरिकी शुल्क का सामना करना पड़ा है। नई दिल्ली ने इस कदम को अनुचित, गैर-वाजिब और तर्कहीन बताया है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का संकल्प भी जताया है।

पश्चिम एशिया के मुद्दे पर आम सहमति बनाना विशेष रूप से मुश्किल था, क्योंकि ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस टकराव को लेकर अलग-अलग राय रखते हैं। ईरान ने पहले ब्रिक्स की इस बात के लिए आलोचना की थी कि उसने अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों के खिलाफ कोई बयान जारी नहीं किया। तेहरान इस समूह से समर्थन की उम्मीद कर रहा था। अंतिम घोषणापत्र में ईरान के लिए ऐसी कई बातें कही गई हैं, जिनका वह अपने पक्ष में हवाला दे सकता है, लेकिन दस्तावेज में ईरान का नाम सीधे नहीं लिया गया है। ब्रिक्स ने नागरिक बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की पूरी सुरक्षा-निगरानी वाली शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर जानबूझकर किए गए हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई है।

इस हिस्से में ईरान, अमेरिका या इजरायल का नाम नहीं लिया गया है। हालांकि, मौजूदा टकराव के संदर्भ में यह तेहरान के उस तर्क का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है कि उसकी सुरक्षित परमाणु सुविधाओं पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थे। ब्रिक्स ने सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है। साथ ही पश्चिम एशिया में अधिकतम संयम बरतने की अपील की गई है। इस हिस्से में सदस्य देशों के अलग-अलग राष्ट्रीय रुख का भी ध्यान रखा गया है। यही वजह है कि युद्ध को लेकर अलग-अलग राय रखने वाले देश अपनी व्यक्तिगत स्थिति छोड़े बिना एक साझा दस्तावेज पर सहमत हो सके।

छात्रावास बिना दयनीय स्थिति में रह रहे छात्र

आज पूरे देश में छात्रों, अभिभावकों और अध्यापकों में बेचैनी, रोष, असंतोष और असहमति दिखाई दे रही है। इसका मुख्य कारण है कि शासन का ध्यान शिक्षा के विकास और छात्रों के भविष्य पर नहीं है। खास तौर से जो केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं, उनकी हालत खराब है। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कटौती करने का ही नतीजा दिल्ली के 'सत्य निकेतन' जैसी दुर्घटनाएं हो रही हैं।

आज हर जगह छात्रावास की कमी के कारण असंख्य छात्र दयनीय स्थिति में रह रहे हैं। यही वजह है कि देश भर के छात्रों, अभिभावकों और अध्यापकों में बेचैनी, रोष और आक्रोश है। इसलिए, जरूरी हो गया है कि शिक्षा के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर समग्र दृष्टि से विचार हो और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से आम सहमति बनाई जाए और उसके अनुरूप कार्रवाई हो। आज पूरी शिक्षा व्यवस्था में सुधार अनिवार्य हो गया है, क्योंकि यह देश के भविष्य का सवाल है।

दिल्ली के पीजी (पेइंग गेस्ट) दुखद हादसे को इसी क्रम में देखा जाना चाहिए, जहां कई छात्रों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। सरकारें शिक्षा तंत्र को सुधारने, उस पर खर्च बढ़ाने की जगह उसके निजीकरण और व्यवसायीकरण को प्रश्रय दे रही हैं। पीजी के नाम पर पूरे देश में छात्रों और अभिभावकों का शोषण हो रहा है। आरोप लग रहे हैं कि साल 2012 के बाद से दिल्ली विश्वविद्यालय में एक भी छात्रावास नहीं बना है। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की भी लगभग यही स्थिति है। ऐसा नहीं है कि देश के पास संसाधनों की कमी है, बस शासन की प्राथमिकताओं में शिक्षा, शिक्षक और छात्र नहीं हैं। शिक्षा बजट को लगातार घटाया जा रहा है। मांग होती रही है कि शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसदी खर्च होना चाहिए,

पर केंद्रीय बजट का यह अब करीब ढाई फीसदी पर आ गया है। 2013-14 में शिक्षा मद में कुल बजट की 4.6 प्रतिशत राशि आवंटित हुई थी, वह लगातार घटते-घटते 2026-27 में 2.6 प्रतिशत रह गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा पूर्ण वित्त-पोषित कॉलेजों के लिए 2023-24 में 400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो 2025-26 में घटकर 325 करोड़ रह गए। इसी तरह, दिल्ली विश्वविद्यालय का भी बजट घटा दिया गया।

जब देश के अनेक क्षेत्रों को संविदा और पीपीपी मॉडल पर चलाया जा रहा है, तब ऐसे में जो पीजी चल रहे हैं, उनमें क्या सरकार मानक-किराया-मापदंड तय नहीं कर सकती? यह काम विश्वविद्यालय और राज्य अपने स्तर पर कर ही सकते हैं। वे निजी छात्रावासों के मानक, मापदंड और किराये भी तय कर सकते हैं तथा निगरानी का अधिकार भी रख सकते हैं। आज जब छात्र दड़बेनुमा कमरों में अस्वस्थ वातावरण में रहने को मजबूर हैं, तब उन्हें स्वच्छ शैक्षणिक वातावरण कैसे मिलेगा? बहुत से पीजी में सुविधा के नाम पर कुछ नहीं होता है। पूरी तरह लूट मची है। लोग परेशान हैं। अगर हम नई पीढ़ी को उचित वातावरण नहीं देंगे, तो कैसे देश के उज्ज्वल भविष्य के बारे में कल्पना कर सकते हैं? मनमानी फीस की वजह से भी काफी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। कई राज्यों की शिक्षा-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। देश के गरीब और पिछड़े राज्यों, खासकर पूर्वोत्तर के राज्यों में शिक्षा व्यवस्था ठीक न होने के कारण वहां के छात्र अध्ययन के लिए दिल्ली आते हैं। माता-पिता को इस पर बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। कर्नाटक, तमिलनाडु या महाराष्ट्र के बच्चे अनुपात में बहुत कम आते हैं। अब फैसले राजनीतिक फायदे और नुकसान को दृष्टि में लिए जाने लगे हैं। आज कई विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय को 8 बजे के बाद बंद कर दिया जाता है। विद्यार्थियों के हालिया आंदोलन ने पूरे देश की परीक्षा प्रणाली और रोजगार की समस्या पर एक बहस छेड़ दी, लेकिन इस पर कोई गंभीर पहल हो रही हो, ऐसा नहीं लगता। ऐसे में, एक बार फिर से देश को सोचना होगा कि आखिर शासन की जिम्मेदारी क्या है? पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय बनते थे, तो उनमें छात्रावासों की पूरी व्यवस्था होती थी। पंडित मदन मोहन मालवीय ने विश्वविद्यालय बनाया, तो उसकी अवधारणा आवासीय थी। इसके अलावा, जो धर्मार्थ लोग थे, उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर छात्रों के रहने के लिए व्यवस्था की थी, जिसे लॉज कहा गया और वहां बहुत कम पैसे में छात्र रह लेते थे।

कविता

पीढ़ी के बदलाव

पेड़, झाड़, पीपल की अब, नहीं रही है छांव
प्राकृतिक सौंदर्य की जैसे, डूब रही है नाव
ना आंगन में धूप है, ना सर्दियों में अलाव
त्योहारों पर नहीं रहे, अब वो साज सजाव
गांवों से भी मिट रहा है, स्नेह का प्रभाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

परंपराओं के संदूकों पर जम गई है धूल
जहां जहां पर फूल थे, वहां रह गए शूल
आज्ञा, आदर, अदाबों को, ये पीढ़ी गई है भूल
तुलसी, गेंदा, कनेर की जगह, उग गए बबूल
दिन ब दिन गिरते देखे, संस्कारों के भाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

अठन्नी, चवन्नी, धेला, पैसा बीते कल की बातें
नहीं रहा वो भाई चारा, नहीं है रिश्ते नाते
सावन भादों के गीत रहे, ना ही वो बरसातें
मैयत ब्याह पर ही होती हैं, बस अब मुलाकातें
छांव की जगह धूप आ गई, धूप की जगह छांव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

फटी जींस को पहनने लगी, माएं आंचल वाली
टैटू कमर पर गुदवाती हैं, बहू, बेटी, साली
टी-शर्ट, पेंट, पहनकर अब, इतराती है सास
साड़ी, बिंदी, कुर्ता, चूड़ी बन गए इतिहास
बढ़ रहा है बच्चों में भी फैशन का प्रभाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

नहीं रहा अब चूल्हा चौका, नहीं हैं उपले, भैंस
नए दौर में आ गए हीटर, इंडक्शन, गैस
चूल्हे की रोटियां भी बन गई हैं याद
पिज्जा बर्गर हो गए हैं अब नए स्वाद
घर का खाना खाने के, थे सभी में चाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

दिन ब दिन गिर रहे हैं मर्यादा के मोल
फूहड़ता के दाम बढ़े हैं, नग्नता हुई अनमोल
मोबाइलों में छुप गया है मिलन, बात, प्यार
सोशल मीडिया खा गई है सब आचार विचार
इस पीढ़ी से मिट गया है जैसे प्रेम का भाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

मीडिया का मायाजाल, बना है बच्चों का काल
स्कूलों में सन्नाटा है, फेसबुक पर खूब बवाल
जीवन जैसे खो गया, इंटरनेट बना जंजाल
कैसी कैसी रील्स यहां, मचा रही खूब धमाल
ढ्ढ भी दे रही है, अपनी मूंछ को तांव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

सत्ता पर मिथ्या बैठे है, सत्य पांव पांव
कुहू कुहू कौआ बोले, कोयल कांव कांव
न्याय धूप धूप चले है, अन्याय छांव छांव
हंस खंडरों में भटके, दादुर गांव गांव
मीठी बोली कि जगह है, कटुता के घाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

कैसे कैसे परिवर्तनों की, हो गई बौछार
छल कला बन गया है, और प्रेम व्यापार
तुच्छता में भर गया, इस जीवन का सार
भोले भाले लोग यहां, अब हो गए मक्कार
नकारात्मकता का बढ़ रहा है, अब यहां प्रभाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

ईमेल का दौर आया चिट्ठियां हुई गुमनाम
मीडिया पर बतियाते हैं सुबह दोपहर शाम
ढ्ढ. ढ्ढह्यद्धड्ड. स्ठ्ठड्डश्चष्द्धड्डह्ल कैसे कैसे नाम
नाच गाना रील पर, हो गया मुख्य काम
संस्कृति और नवीनता में, हो रहा अलगाव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

एक चूल्हे से चलता था सारा घर बार
संस्कारों से सजा होता था प्यारा आंगन द्वार
घर के आंगन में होता था चिड़ियों का बसेरा
चहचहाहट से होता था तब मधुर सवेरा
नहीं रह गया पहले जैसा लोगों का बरताव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

दानव, दैत्यों में जैसे, हो रहा पथराव
सब रावण बने हुए हैं बढ़ रहा अहंभाव
अपनों से ही मिले हुए हैं सबको गहरे घाव
विलुप्त हो रहा है जग से, बराबरी का भाव
भाई भाई में चल रही है शह मात की दांव
नानी बैठी देख रही है पीढ़ी के बदलाव

नानी की बातें, किस्से और परियों की रात
रातों रातों में चलती है अब डिजिटल बात
फिर भी नानी मुस्कुराए नम आंख के संग
हर युग की यही कहानी, हर दौर का अपना रंग
वो सिखाए प्यार की भाषा, संस्कारों का मोल
नानी की संगत आज भी है, सबसे अनमोल

जहांगीर आलम.

मुस्कुराइए कि आप लखनऊ में हैं

मैं भी मुस्कुराते हुए...
लखनऊ की ऊंची इमारतों को,
शॉपिंग मॉल्स को,
तारीखी इमारतों को और
लखनऊ की विरासत को देख रहा था;
सहसा ठोकर लगी।

लाचार, बेबस, मैला-कुचैला और
फटा कपड़ा पहने नन्हा बच्चा...
जिसे दर-बदर भटकते देखा,
चाय के प्यालों की बची चाय को चाटते देखा,
अन्न के लिए लड़ते देखा,
भूख से तड़पते देखा,
फूटपाथ पर बेखबर सोते देखा,
रौंदने वाले अमीरज़ादों को देखा,
दम तोड़ती मानवीयता को देखा,
निरंकुश तानाशाहों को देखा।

ठहरिये ज़रा,
ये केवल लखनऊ नहीं है;
बल्कि आपके शहर में भी लखनऊ है।

-डॉ. अबू होरैरा

रकुलप्रीत की 9 साल पुरानी फ्लॉप फिल्म बनी नंबर 1

भारतीय सिनेमा में ऐसी कई फिल्में आपको देखने मिल जाएंगी जो भले ही अपने रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह आ गिरीं हों लेकिन समय के साथ उन्हें काफी पसंद किया गया है। इतना ही नहीं कई फिल्में कल्ट फिल्मों की लिस्ट में शुमार भी हो गई हैं। ऐसे में एक तेलुगु फिल्म, जिसका नाम 'जया जानकी नायका' है, उसने भी एक शानदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ये फिल्म एक ही यूट्यूब अपलोड पर 1 बिलियन व्यूज का आंकड़ा पार करने वाली भारत की पहली फीचर फिल्म बन गई है।निर्देशक बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बनी और बेल्लमकोंडा साई श्रीनिवास और रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म 'जया जानकी नायका' करीब 40 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई थी। हालांकि, सिनेमाघरों में यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई और दुनियाभर में महज लगभग 20 करोड़ रुपये का कारोबार ही कर सकी थी। फिल्म को एक फ्लॉप कैटगरी में शुमार कर दिया गया था।

फिल्म की किस्मत तब बदली, जब 2019 में इसकी रिलीज के करीब दो साल बाद इसे 'खूंखार' नाम से हिंदी में डब करके पेन मूवीज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। इसके बाद भी ये फिल्म रातों-रात वायरल नहीं हुई, बल्कि पिछले छह सालों में धीरे-धीरे दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाती गई। खासतौर पर उत्तर भारत के दर्शकों ने यूट्यूब के रिकमेंडेशन के जरिए इस फिल्म को ढूंढा और इसके दमदार एक्शन सीक्वेंस और इमोशनल फैमिली ड्रामा की वजह से इसे बार-बार देखा। इसी लगातार मिलते प्यार ने फिल्म को 1 बिलियन यानी कि 100 करोड़ व्यूज का मुकाम दिला दिया।

इस सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए फिल्म के निर्देशक बोयापति श्रीनु ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 1 बिलियन व्यूज। 1000 मिलियन दिल।

तलाक के बाद अब ईशा को जिंदगी में प्यार की कमी हो रही महसूस

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल और बिजनेसमैन भरत तख्तानी की शादी साल 2024 में टूट गई थी. इस पल ने अलग होने का ऐलान कर हर किसी को हैरान कर दिया था. हालांकि दोनों अपनी दो बेटियों ी परवरिश मिलकर कर रहे हैं. वहीं ईशा ने अब अपनी पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बात करते हुए माना कि उन्हें अपनी लाइफ में प्यार की कमी महसूस होती है. फिर भी, उन्होंने ये भी कहा कि वह उम्मीद नाए हुए हैं और दोबारा प्यार पाने के लिए तैयार हैं.हाल ही में, ईशा कर्ली टेल्स के एक पॉडकास्ट में ामिल हुई थीं यहां उन्होंने भरत तख्तानी से अलग होने के बारे में खुलकर बात की. ईशा ने माना कि उन्हें नपनी जिंदगी में अभी प्यार और रोमांस की कमी महसूस हो रही है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि प्यार ौर रोमांस किसी इंसान की जिंदगी में सबसे जरूरी चीजें हैं, जिनकी मुझे अभी कमी महसूस हो रही है, ुझे रोमांटिक होना पसंद है. मैं पूरी तरह से रोमांटिक-कॉमेडी पसंद करने वाली इंसान हूं. मुझे रोमांटिक ाने और लव स्टोरीज बहुत पसंद हैं.जब उनसे पूछा गया कि क्या इतने सालों में, खासकर पिछले ब्रेकअप ौर अपनी शादी के खत्म होने के बाद, प्यार को लेकर उनकी सोच बदली है, तो ईशा ने कहा कि ऐसा हीं हुआ है. ईशा ने कहा, नहीं, ये चीजें बदलती नहीं हैं. ब्रेकअप होते हैं. मेरे भी पहले बॉयफ्रेंड रहे हैं जनसे मेरा ब्रेकअप हुआ है. ये सब होता रहता है, लेकिन इससे प्यार को लेकर मेरी सोच नहीं बदलती. म सभी हेमा जी और धर्मेंद्र जी के बीच अनकंडीशनल लव को देखकर बड़े हुए हैं.

ईशा ने यह भी कहा कि अलग होना बहुत ही पर्सनल और सेंसेटिव मैटर होता है, खासकर तब जब ाचे शामिल हों. अपने एक्सपीरियंस को याद करते हुए उन्होंने बताया कि वह कभी नहीं चाहती थीं कि नके अलग होने की खबर हेडलाइन बने. हालांकि, पब्लिक फिगर होने के नाते, वह और भरत जानते थे क उन्हें इस सिचुएशन को सावधानी, गरिमा और संवेदनशीलता के साथ संभालना होगा।

क्या सच में अलग हो रहे हैं गौरव-आकांक्षा... एक्ट्रेस ने किया अनफॉलो, डिलीट की तस्वीरें

टेलीविजन इंडस्ट्री में जब भी मजबूत रिश्तों की मिसाल दी जाती थी, तो गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला का नाम उसमें जरूर शामिल होता था। लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों के बीच दूरियां इस हद तक बढ़ चुकी हैं कि अब यह मामला सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने और तस्वीरें हटाने तक पहुंच गया है। %लॉक अप 2% में किए गए खुलासे के बाद से ही इस एक्स कपल की जिंदगी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।जब से आकांक्षा चमोला ने रियलिटी शो %लॉक अप 2% के प्रीमियर पर अपने सेपरेशन का सार्वजनिक खुलासा किया था, तब से दोनों के फैंस हैरान थे। शुरुआत में कई लोगों का यह भी मानना था कि शायद आकांक्षा ने यह सब शो में टीआरपी या अपनी जगह बनाने के लिए किया है।लेकिन अब ताजा अपडेट ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। आकांक्षा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पति गौरव खन्ना की सभी यादों को मिटाते हुए उन्हें अनफॉलो कर दिया है। इसके विपरीत, गौरव खन्ना के अकाउंट पर अभी भी आकांक्षा की तस्वीरें और उन्हें फॉलो करने का सिलसिला जारी है, जिससे यह साफ होता है कि इस अनबन में फासलें काफी बढ़ चुके हैं।इस अलगाव के बीच सोशल मीडिया पर यह अफवाह भी जोरों पर थी कि आकांक्षा चमोला ने तलाक के एवज में गौरव खन्ना से 10 करोड़ रुपये की भारी-भरकम एलिमनी की मांग की है या ले ली है। हाल ही में %मैशेबल इंडिया% को दिए गए एक इंटरव्यू में जब आकांक्षा से इस कथित रकम के बारे में सीधा सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब देते हुए कहा, अगर मंगा होता और अगर मिल गया होता तो मैं यहां बैठती? अगर सच में मेरे पास इतने पैसे होते ना, तो मैं कब का यह देश छोड़कर चली गई होती। उनके इस करारे जवाब ने सभी तरह की आर्थिक अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा दिया।आपको बता दें कि आकांक्षा और गौरव की शादी नवंबर 2016 में बड़े ही धूमधाम से हुई थी। दोनों की जोड़ी को फैंस बहुत पसंद करते थे। लेकिन इस साल रिश्ते में आई दरार तब सबके सामने आई जब आकांक्षा ने %लॉक अप 2% के मंच पर यह स्वीकार किया कि वे दोनों काफी समय से एक-दूसरे से अलग रह रही हैं।बाद में शो के तीसरे हफ्ते में जब गौरव खन्ना बतौर गेस्ट शो में आए थे, तो उन्होंने भी माना कि आकांक्षा की इस अचानक हुई घोषणा से दोनों परिवारों को एक बड़ा और गहरा झटका लगा था। तब से लेकर अब तक यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है।नवंबर 2016 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े का इस तरह अलग होना उनके चाहने वालों के लिए बेहद निराशाजनक है। जहाँ एक तरफ आकांक्षा ने सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाने और तस्वीरें हटाने का फैसला कर लिया है, वहीं एलिमनी पर उनके तीखे जवाब ने यह साफ कर दिया है कि वे अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रही हैं। देखना यह होगा कि आने वाले समय में इस रिश्ते को लेकर दोनों की तरफ से क्या नया अपडेट सामने आता है।

बॉक्स ऑफिस पर करीना कपूर-प्रीति जिंटा की फिल्मों का क्लैश

हर हफ्ते नई-नई फिल्में सिनेमाघरों में लगती रहती हैं. कई बार तो ऐसा होता है कि एक साथ दो-दो फिल्में रिलीज हो जाती हैं और बॉक्स ऑफिस पर उनका क्लैश हो जाता है. 18 सितंबर को भी दो फिल्मों के बीच क्लैश होने वाला है. पहली फिल्म है करीना कपूर की 'दायरा' और दूसरी फिल्म है करीना की ननद सोहा अली खान के पति कुणाल खेमू की 'वाइब'. कुणाल के साथ प्रीति जिंटा भी अहम रोल में नजर आने वाली हैं.'दायरा' और 'वाइब' दोनों ही फिल्मों का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आया था. दोनों फिल्मों के रनटाइम से जुड़ी जानाकारी भी सामने आ चुकी है. अगर आप इन दोनों में से किसी भी फिल्म को देखने का प्लान कर रहे हैं, तो उससे पहले जान लीजिए कि फिल्म कितनी लंबी है.'दायरा' एक क्राइम मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसे डायरेक्ट किया है मेघना गुलजार ने. इस फिल्म का रनटाइम 143.16 मिनट (2 घंटे 23 मिनट और 16 सेकेंड) है. सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को ;' सर्टिफिकेट दिया है. यानी ये फिल्म सिर्फ 18+ ऑडियंस के लिए ही बनी है. इसमें एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारण भी नजर आने वाले हैं.'वाइब' एक स्पाई एक्शन कॉमेडी फिल्म है. कुणाल खेमू ने इसमें एक्टिंग करने के साथ-साथ इसका डायरेक्शन भी किया है. इस फिल्म को भी सेंसर बोर्ड की तरफ से ;' सर्टिफिकेट ही मिला है. इसका रनटाइम 145.55 मिनट (2 घंटे 25 मिनट और 55 सेकेंड) है. कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा के साथ इसमें स्पर्श श्रीवास्तव भी नजर आने वाले हैं.कुल मिलकर दोनों फिल्मों के रनटाइम में ज्यादा अंतर नहीं है. 'वाइब' सिर्फ 2 मिनट 39 सेकेंड ज्यादा लंबी है. इससे पहले करीना ने कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' से अपनी पिक्चर 'दायरा' के क्लैश पर रिएक्ट भी किया था. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था कि वो तो खुश हैं कि जब दोनों फिल्में चलेंगी, तो सोना उनके घर में ही आएगा. उन्होंने कुणाल की तारीफ भी की थी और कहा था कि वो हमारी इंडस्ट्री के एक शानदार एक्टर हैं।

साड़ी पहनकर मिथिला पालकर ने करवाई बोल्ड फोटोशूट

फिल्म एक्ट्रेस मिथिला पालकर ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ मनमोहक तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में मिथिला गोल्डन गर्ल बनीं नज़र आ रही हैं. साड़ी में वो खूब जच रही हैं. उन्होंने तस्वीरों में एक से एक पोज़ दिए हैं. उनकी तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही हैं. मिथिला ने इंस्टाग्राम पर नेटफ्लिक्स के साथ ये पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनका अंदाज़ लोगों को भा गया है. साड़ी में उनकी हर अदा फैंस को दीवाना बना रही हैं. दरअसल मिथिला की वेब सीरीज सुपर सुब्बू आज नेटफ्लिक्स पर आ गई है. सुपर सुब्बू एक तेलुगू सीरीज है, जो हिंदी तमिल कन्नड़ और मलायलम भाषा में भी आई है. इसमें मिथिला के साथ संदीप किशन, मलिक राम और मुर्ली शर्मा जैसे कलाकार नज़र आ रहे हैं. पोस्ट शेयर करते हुए मिथिला ने लिखा, आज आपसे नेटफ्लिक्स पर मिलते हैं. सुपर सुब्बू आज रिलीज़ हो रही है.इससे पहले मिथिला पालकर हिंदी फिल्म भूत बंगला में नज़र आई थीं. इस फिल्म में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी जैसे सितारे अहम किरदारों में थे. फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था. फिल्म में मिथिला के काम को काफी सराहा गया था. 33 साल की मिथिला पालकर कई बेहतरीन फिल्म और वेब सीरीज में नज़र आ चुकी हैं. सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. उन्हें 3.9 मिलियन लोग इंस्टाग्राम पर फोलो करते हैं. वो लगातार वहां अपने पोस्ट शेयर करती रहती हैं।

ठाकुरबाड़ी में 15 दिनों तक गूंजा श्रीकृष्ण का जयघोष, भक्ति और उल्लास के बीच संपन्न हुआ जन्माष्टमी महोत्सव

बेलिहार गांव में अखंड कीर्तन, महाभिषेक, छप्पन भोग, भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग में

बक्सर (संवाददाता)। जिले के सिमरी प्रखंड अंतर्गत बलिहार गांव स्थित ठाकुरबाड़ी में नवयुवक कृष्ण जन्माष्टमी मठिया पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। भगवान श्रीकृष्ण के बरही के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक महोत्सव के दौरान करीब 12 दिनों तक ठाकुरबाड़ी परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा बलिहार गांव भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा और ठाकुरबाड़ी परिसर लगातार भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंजता रहा।

महोत्सव के तहत 14 सितंबर से शुरू हुए अखंड कीर्तन की मंगलवार को विधिवत पूर्णाहुति हुई। अखंड कीर्तन में प्रसिद्ध कीर्तन कलाकार मनोज सिंह, धनजी दुबे, संजीत सिंह, सोनू पांडेय और सोनू कुमार ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कलाकारों के भजन और कीर्तन पर श्रद्धालु देर तक भाव-विभोर होकर झूमते रहे। पूरे आयोजन के दौरान ठाकुरबाड़ी परिसर में आध्यात्मिक और उत्सव का माहौल बना रहा। अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति के अवसर पर भगवान

श्रीकृष्ण का विधिवत महाभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। भगवान के दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु ठाकुरबाड़ी पहुंचे।

अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति के बाद समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में दूर-दराज से पहुंचे साधु-संतों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए नवयुवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समिति से जुड़े युवाओं ने कई दिनों तक आयोजन की तैयारियों से लेकर कार्यक्रम के सफल संचालन तक जिम्मेदारी संभाली।

महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। भोजपुरी गायक मुकुल सिंह और आशीष राय ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को और भक्तिमय बना दिया। उनके भक्ति गीतों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। धार्मिक आयोजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम ने महोत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर बलिहार गांव के बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। गांव के लोगों ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। ठाकुरबाड़ी में लगातार 12 दिनों तक चले आयोजन ने गांव के सामाजिक और धार्मिक वातावरण को एक सूत्र में बांधे रखा। आयोजन के सफल समापन पर नवयुवक कृष्ण जन्माष्टमी मठिया पूजा समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी और पूरे आयोजन के दौरान दिखे उत्साह ने बलिहार गांव की श्रीकृष्ण भक्ति, धार्मिक आस्था और सामुदायिक सहभागिता की जीवंत परंपरा को एक बार फिर सामने ला दिया।

बक्सर में शुरू हुई 'आनंदी टिफिन सर्विस', अब घर बैठे मिलेगा घर जैसा स्वादिष्ट खाना

बक्सर (संवाददाता)। शहर में रहने वाले उन लोगों के लिए राहत भरी खबर है, जिन्हें रोजाना खाना बनाने का समय नहीं मिल पाता या खाने के लिए होटल और रेस्टोरेंट का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बक्सर शहर में 'आनंदी टिफिन सर्विस' की शुरुआत की गई है। यहां ग्राहकों को घर जैसा स्वाद, साफ-सफाई और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

आनंदी टिफिन सर्विस की प्रोपराइटर श्रीमती सोनी ने बताया कि टिफिन सर्विस के माध्यम से शहरवासियों को प्रतिदिन दोनों समय निर्धारित समय पर घर जैसा खाना उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राहक को भोजन प्राप्त करने के लिए कम से कम दो घंटे पहले ऑर्डर करना होगा। इसके बाद आनंदी टिफिन सर्विस की ओर से भोजन ग्राहक के घर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की पसंद और जरूरत को ध्यान में रखते हुए वेज और नॉनवेज दोनों प्रकार की थाली उपलब्ध कराई जा रही है। वेज थाली की कीमत 80 रुपये रखी गई है, जिसमें रोटी, चावल, दाल, सब्जी, भुजिया, चोखा और सलाद शामिल रहेगा। वहीं नॉनवेज पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए 150 रुपये की नॉनवेज थाली उपलब्ध होगी, जिसमें चिकन, रोटी, चावल और सलाद दिया जाएगा। इसके अलावा अंडा करी थाली 110 रुपये में उपलब्ध होगी, जिसमें अंडा करी, रोटी, चावल और सलाद शामिल रहेगा।

'जांच एवं उपचार-चिकित्सा आपके द्वार' अभियान ने पकड़ी रफ्तार, छोटका नुआंव में घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम

छोटका नुआंव के स्वास्थ्य शिविर में रक्तचाप-रक्त शर्करा से लेकर कैंसर की स्क्रीनिंग तक ग्रामीणों को मिली स्वास्थ्य सेवाएं

बक्सर (संवाददाता)। जिला प्रशासन बक्सर के सहयोग से ग्राम पंचायत छोटका नुआव में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाई गई। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने मौके पर ग्रामीणों को 'जांच एवं उपचार—चिकित्सा आपके द्वार' अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए समय पर स्वास्थ्य जांच कराने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

एसडीओ अविनाश कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय रहते जांच एवं उपचार कराना चाहिए।

नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान की जा सकती है और उनका बेहतर उपचार संभव है। शिविर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर भ्रमण कर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान ब्लड प्रेशर (बीपी), ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही कैंसर की स्क्रीनिंग, श्वास संबंधी रोगों की जानकारी तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक परामर्श भी दिया। ग्रामीणों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही औषधियों के संबंध में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली दवाओं के उपयोग और उनकी गुणवत्ता के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाकर लोग अनावश्यक खर्च से बच सकते हैं। इस दौरान ग्रामीणों को बीमारियों से बचाव, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, सही खान-पान, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों से अपील की कि वे नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराएं और चिकित्सकों द्वारा दिए गए सुझावों का पालन करें। समय पर स्वास्थ्य जांच और बीमारी की शुरुआती पहचान से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर साधु शरण पांडे, स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ने तथा उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

समाचार-खास

अलग-अलग कार में सवार दो भाई शराब के साथ गिरफ्तार

बक्सर (संवाददाता)। दो अलग-अलग कार में सवार युवकों को सोनवर्षा की पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। वाहन जांच के दौरान उनकी संदिग्ध गतिविधि ने उन्हें पुलिस की नजर में चढ़ा दिया। हालांकि उन्होंने भागने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस के सामने उनका प्रयास असफल रहा। पकड़े गए युवकों के नाम मनीष कुमार व विकास कुमार है। वे आरा जिला के पुराना पुलिस लाइन के समीप स्थित एमपी बाग मोहल्ले के निवासी हैं। इस संबंध में पूछने पर सोनवर्षा के थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया हमें शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

इसकी गुप्त सूचना मिली थी। यूपी से दो युवक स्कॉर्पियो और स्विफ्ट कार लेकर आ रहे हैं। उसमें शराब की बड़ी खेप है। पुलिस ने सोनबरसा बाजार के अमरपुर पेट्रोल पंप के समीप एनएच पर वाहन जांच प्रारंभ की। इस दौरान दोनों युवक पकड़े गए। गाड़ी की तलाशी लेने पर उनके अंदर रखी विभिन्न ब्रांड के 261 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। युवकों ने बताया वे यह खेप यूपी से लेकर आ रहे थे। उन्हें आरा जाना था। पूछताछ में कुछ और भी चौंकाने वाली जानकारी मिली है। लेकिन, पुलिस ने उसका उल्लेख मीडिया से नहीं किया। दोनों युवकों को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

हेरिटेज स्कूल की दोनों शाखाओं में उत्साहपूर्वक मनाया गया हिंदी दिवस

बक्सर (संवाददाता)। हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हेरिटेज स्कूल, अर्जुनपुर, बक्सर एवं हेरिटेज स्कूल, चरित्रवन, बक्सर की दोनों शाखाओं में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, जागरूकता एवं प्रेम की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कविता-पाठ प्रतियोगिता में भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी कविता और साहित्य के प्रति अपनी रुचि एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 6 के विद्यार्थियों के लिए कविता लेखन जबकि कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए 'आज के परिवेश में हिंदी का महत्व', 'हिंदी की महत्ता एवं उपयोगिता' जैसे विषयों पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपने लेखों के माध्यम से वर्तमान समय में हिंदी की उपयोगिता, उसकी स्थिति तथा हिंदी के प्रयोग में आने वाली चुनौतियों पर अपने स्वतंत्र विचार प्रस्तुत किए। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने हिंदी से संबंधित विभिन्न विषयों पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

विद्यार्थियों ने हिंदी के प्रति अपने स्वतंत्र विचार रखते हुए यह विचार-विमर्श किया कि आज के परिवेश में हिंदी का महत्व क्या है, हिंदी को व्यवहार में अपनाने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा शिक्षा, प्रशासन और दैनिक जीवन में हिंदी की उपयोगिता किस प्रकार बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष प्रेम कुमार पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी भाषा को श्रद्धा और सम्मान के साथ आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे विचारों, संस्कारों और संस्कृति को अभिव्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

हत्या के गुजर गए पांच दिन, पुलिस के हाथ खाली

बक्सर (संवाददाता)। औद्योगिक थाना के भटवलिया गांव में 10 सितंबर की रात हरिभजन सिंह कुशवाहा (उम्र लगभग 38 वर्ष) की हत्या कर दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया किसी ने धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया था। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। घटना को पांच दिन गुजर चुके हैं। लेकिन, पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। ग्रामीणों का आरोप है, पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। हरि भजन दो भाइयों में छोटे थे और परिश्रमी किसान थे। जब उनके साथ वारदात हुई। वे खेत की रखवाली कर रहे थे। पुलिस मौके पर पहुंची तो उनके शरीर पर दो जगह कटे का गहरा निशान मिला।

उनके बड़े भाई धर्मेन्द्र सिंह बीडीसी सदस्य हैं। बावजूद इसके अभी तक इस परिवार को कोई प्रशासनिक सहायता भी नहीं मिली। हरि भजन की बेवा पत्नी अपने तीन मासूम बच्चों के साथ घर में बिलख रही है। उसके सामने परिवार के भरण पोषण का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में पीड़ित परिवार को न्याय मिलने के साथ ही आर्थिक सहायता की उपलब्ध कराई जाए। घटना के दिन पुलिस आई तो उसने आश्वासन दिया था। हम प्रशासन से हर संभव मदद दिलवाएंगे। लेकिन, सहायता तो मिली नहीं दूसरे अभी तक केस के बारे में भी कुछ पता नहीं चला। इस संबंध में पूछने पर औद्योगिक के थानाध्यक्ष ने कहा, अभी इस घटना से संबंधित कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। लेकिन, हम लोग अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं।

पन्द्रह दिन बाद चेतावनी बिंदु से नीचे उतरा गंगा का पानी

बक्सर (संवाददाता)। गंगा का जलस्तर अब चेतावनी बिंदु के नीचे आ गया है। यह सूचना सोमवार रात, केन्द्रीय जल आयोग के कार्यालय ने जारी की थी। लेकिन, रात आठ बजे के लगभग पानी का उच्चतम स्तर 59.30 के पास था। जो चेतावनी बिंदु 59.32 मीटर से महज दो सेंटीमीटर कम था। विभाग ने यह भी बताया था कि प्रति घंटे एक सेंटीमीटर पानी कम हो रहा है। आज मंगलवार की सुबह छह बजे जो रिपोर्ट जारी हुई। उसके अनुसार पानी 59.15 तक आ गया था। जिसे देखकर आप कह सकते हैं पानी चेतावनी बिंदु के नीचे आ गया है। अब आंकड़ों से दूर वस्तु स्थिति की चर्चा करें तो रामरेखा घाट के दोनों विवाह मंडप पानी से बाहर आ गए हैं।

लेकिन, तट को अभी भी पानी की लहरे छू रहीं हैं। फर्श बाढ़ के दौरान बहकर आई शिल्ट से पटी पड़ी है। इस लिए घाट जोखिम भरे हैं। आपकी जानकारी के लिए हम बता दें, 31 अगस्त की सुबह पानी चेतावनी बिंदु के ऊपर चला गया था। अर्थात 15 दिनों बाद पानी चेतावनी बिंदु से नीचे आया है। गंगा जब उफान पर थीं तो पानी खतरे के निशान (60.32 मीटर) के ऊपर भी गया। सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर प्रखंड के कई गांव बाढ़ के पानी से परेशान हुए। चौसा के बनारपुर व रामपुर तक कर्मनाशा तथा इटाढ़ी की तरफ ठोरा में बढ़े दबाव के कारण तटवर्ती इलाकों में लगी धान की फसल को भी नुकसान हुआ है। कुल मिलाकर पानी घटने का सिलसिला जारी रहा तो अगले दो-तीन दिनों में मैदानी हिस्सों में फैला पानी भी नीचे उतर जाएगा।

बक्सर नगर परिषद के वार्ड 16 के नए परिसीमन पर उठे सवाल, पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी ने मांगी स्पष्ट जानकारी

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर नगर परिषद के वार्ड संख्या 16 के नए परिसीमन को लेकर आम जनता में बनी भ्रम की स्थिति के बीच मंगलवार को बक्सर सदर के पूर्व विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी वार्ड 16 पहुंचे। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर नगर परिषद से नए परिसीमन को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी ने कहा कि वार्ड के नए परिसीमन को लेकर जनता के बीच कई तरह की चर्चाएं और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में नगर परिषद के सक्षम पदाधिकारियों को मीडिया के माध्यम से पूरे मामले पर स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, ताकि आम लोगों के बीच बनी असमंजस की स्थिति समाप्त हो सके। उन्होंने नगर परिषद से सवाल करते हुए पूछा कि क्या नए परिसीमन के लिए किसी कमेटी का गठन किया गया है? यदि कमेटी गठित हुई है तो उसके अध्यक्ष कौन हैं और इसमें कितने सदस्य शामिल हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि नए परिसीमन के लिए किस जनसंख्या को आधार बनाया गया है तथा शहर की मैपिंग और वार्ड की चौहद्दी निर्धारित करने के लिए क्या आधार अपनाया गया है। वार्ड 16 के पार्षद प्रतिनिधि विजय राजभर ने कहा कि उनके वार्ड की मापी कराई गई है। मापी करने पहुंचे नगर परिषद के कर्मियों से पूछे जाने पर बताया गया कि वार्ड का नया परिसीमन होने वाला है। इसके बाद से ही लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर बक्सर में पेंशनरों का बड़ा आंदोलन, 29-30 सितंबर को डीएम के सामने धरना

बक्सर (संवाददाता)।

अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फेडरेशन एवं बिहार पेंशनर एसोसिएशन के आह्वान पर आगामी 29 एवं 30 सितंबर को जिला पदाधिकारी, बक्सर के समक्ष रात-दिन धरना देने के निर्णय को सफल बनाने को लेकर सदर अस्पताल परिसर में पेंशनरों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परमहंस सिंह ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला मंत्री अरुण कुमार ओझा ने कहा कि सभी नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू कराना संगठन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कर्मचारियों एवं पेंशनरों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल सामने हैं, जिनके समाधान के लिए संगठन लगातार संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों के संबंध में अभी तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं पड़ रहा है। ऐसे में पेंशनरों के बीच चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार द्वारा जिस तरह महंगाई भत्ते (डीए) को फ्रीज किया गया, उससे यह आशंका बनी हुई है कि सरकार भविष्य में भी पेंशनरों के हितों को प्रभावित करने वाले कदम उठा सकती है।

जिला मंत्री ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में पेंशनरों के पास अपने अधिकारों और मांगों को लेकर संघर्ष करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने सभी पेंशनरों से आंदोलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर भाग लेने की अपील की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केंद्र एवं राज्य संगठन के निर्णय के अनुसार 29 एवं 30 सितंबर को जिला पदाधिकारी, बक्सर के समक्ष रात-दिन धरना दिया जाएगा। इस दौरान पेंशनरों की विभिन्न मांगों से संबंधित संलेख जिला प्रशासन को समर्पित किया जाएगा।

बक्सर में पर्यावरण संरक्षण की नई पहल

'10 लाख पौधे लगाने की मुहिम' के तहत इजरी श्रीराम में हुआ पौधारोपण

बक्सर (संवाददाता)।

मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय तथा सावित खिदमत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे '10 लाख पौधे लगाने की मुहिम' के अंतर्गत मंगलवार को एक बार फिर इजरी श्रीराम में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के करीब 17 पौधे लगाए गए। इनमें आम, महोगनी और अशोक सहित कई उपयोगी एवं पर्यावरण के अनुकूल पौधे शामिल रहे।

पौधारोपण कार्यक्रम में मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय के बिहार प्रदेश महासचिव डॉ. दिलशाद आलम, प्रियेश कुमार यादव, राहुल कुमार, रवि कुमार, सोहन यादव, मृत्युंजय यादव, सुभाष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे। सभी ने उत्साह के साथ पौधारोपण किया और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. दिलशाद आलम ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन

चुका है। अनियमित वर्षा, विनाशकारी बाढ़, तूफान, अत्यधिक गर्मी तथा हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से पिघलते ग्लेशियर प्रकृति की ओर से मिलने वाली गंभीर चेतावनी हैं। नेपाल सहित हिमालयी क्षेत्रों में आने वाली बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से हमें सीख लेने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सिर्फ पौधा लगाना ही अभियान का उद्देश्य नहीं है, बल्कि उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, बेहतर पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य की नींव बनेंगे। डॉ. आलम ने बताया कि 10 लाख पौधे लगाने की यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। आने वाले वर्षों में बक्सर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा तथा इस अभियान को पूरे बिहार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों, विद्यालयों और आम नागरिकों से अभियान से जुड़ने तथा प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने 'पेड़ लगाएं—जीवन बचाएं, हरियाली बढ़ाएं—भविष्य बचाएं' के संदेश के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480